mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-120 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

03 मई 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

शिखर धवन के साथ...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

घर के अंदर छिपे 4 आंतकियों को पाकिस्तान में मार गिराया गया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने चार आतंकवादियों को मार गिराया है। खैबर पख्तूनख्वा के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में हुए इस अभियान में दो सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने लोअर तेसिल बरमल के कुलोताई इलाके में अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा कि

उन्होंने एक घर को घेर लिया, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। इसके बाद आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए। इस गोलीबारी के चलते दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। इलाके में और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे खैबर पख्तूनख्वा में इमर्जेंसी जैसे हालात हैं। कई जगहों पर सायरन बजाए गए हैं। सभी चिकित्सा कर्मचारियों को तुरंत ड्यूटी पर बुलाया गया है। सेना के जेट विमानों ने कम ऊंचाई पर उड़ानें शुरू कीं हैं। दुश्मन देश पाकिस्तान की ओर से यह कदम भारत के संभावित जवाबी हमले की आशंका के मद्देनजर उठाया गया है, जो हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ने के कारण है।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ वियतनाम पहुंचे केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू

हनोई (एजेंसी)। भारत से भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष अब वियतनाम पहुंच गए हैं, जहां इन्हें 2 से 21 मई तक चलने वाले शांति, करुणा और सद्भाव के पवित्र समारोह में रखा जाएगा। भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों के साथ केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू भी शुक्रवार को वियतनाम पहुंचे और उन्होंने एक्स पर एक

पोस्ट में लिखा, ÷भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के साथ उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करते हुए वियतनाम पहुंच गया हूं। वियतनाम सरकार और वियतनाम बौद्ध संघ द्वारा भव्य औपचारिक स्वागत किया गया। ये पवित्र अवशेष संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह के लिए 2 से 21 मई 2025 तक वियतनाम में रहेंगे। भगवान बुद्ध के इन पवित्र अवशेषों को संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह के लिए 2 से 21 मई 2025 तक वियतनाम में रखा जाएगा। भारत से रवाना हो रहे भगवान बुद्ध के अवशेषों के दौरान भी किरन रिजिजू ने एक और पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने लिखा था कि भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को वियतनाम ले जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, यह एक ऐसा अनुभव है जो आत्मा को छू जाता है। शांति, करुणा और सद्भाव की इस पवित्र यात्रा में आदरणीय भिक्षुओं, श्री कांडुला दुर्गेश जी, पर्यटन, संस्कृति और संस्कृत मंत्री, आंध्र प्रदेश और अन्य अधिकारियों के साथ शामिल हुआ। पवित्र अवशेष संयुक्त राष्ट्र वेसाक दिवस समारोह के भाग के रूप में 2 से 21 मई 2025 तक वियतनाम में रहेंगे।

पीएम शहबाज शरीफ का यूट्यूब चैनल भारत में किया गया ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत एक-एक कदम आगे बढ़कर बदला ले रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के बीच शुक्रवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के यूट्यूब चैनल को भारत में ब्लॉक कर दिया गया है।

ब्लॉक किए गए चैनल पर एक संदेश में लिखा गया, राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह सामग्री वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है। सरकार द्वारा हटाए जाने के अनुरोधों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया त्नश्नश्नद्दद्यद्ग पारदर्शिता रिपोर्ट देखें।

सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में भारत के बारे में झूठी, भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री प्रसारित करने के आरोप में 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को ब्लॉक कर दिया था। केंद्र की मोदी सरकार ने पहलगाम हमले पर बीबीसी की रिपोर्टिंग पर भी कड़ी आपत्ति जताई थी। भारत में ब्लॉक किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल में डॉन न्यूज, इरशाद भट्टी, समा टीवी, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, रफ्तार, द पाकिस्तान रेफरेंस, जियो न्यूज, समा स्पोर्ट्स, जीएनएन, उजैर क्रिकेट, उमर चीमा एक्सक्लूसिव, अस्मा शिराज़ी, मुनीब फारूक, सुनो न्यूज और रज़ी नामा शामिल हैं। इसके अलावा, भारतीय विदेश मंत्रालय बीबीसी की रिपोर्टिंग की निगरानी करेगा, जिसने आतंकवादियों को उग्रवादी कहा था।

मोदी सरकार का यह कदम 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम इलाकों में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गृह मंत्रालय की सिफारिशों के बाद उठाया गया है। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इनमें से यादातर पर्यटक थे।

सीमए ने आर्थिक मदद का किया ऐलान

विदिशा में बारातियों से भरी बस पलटने से चार की मौत, 13 घायल

विदिशा (एजेंसी)। जिले के लटेरी तहसील क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां बारातियों को लेकर जा रहा एक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद से आनन-फानन में घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बारात इंदौर से सिरौंज लौट रही थी, तभी यह हादसा हो गया। वहीं मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने इस हादसे पर दुख व्यक्त किया है। इसके अलावा उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों को आर्थिक सहायता प्रदान करने का भी ऐलान किया है।

दरअसल, विदिशा जिले में शुक्रवार की तड़के एक वाहन पलट गया। मिली जानकारी के मुताबिक ये वाहन बारातियों को लेकर इंदौर से सिरौंज लौट रहा था। इसी दौरान लटेरी तहसील क्षेत्र में वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। वहीं 13 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे

के बारे में जानकारी देते हुए विदिश के कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब तीन बजे लटेरी कस्बे के पास हुआ, जब बारातियों को ले जा रहा एक वाहन इंदौर से सिरोंज लौट रही थी। उन्होंने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर होने पर उसे भोपाल रेफर कर दिया गया, जबकि बाकी का इलाज विदिशा और लटेरी के अस्पतालों में चल रहा है। इस हादसे में चार लोगों की मौत भी हो गई है। वहीं हादसे की जानकारी होने पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में आर्थिक सहायता का ऐलान भी किया है। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷विदिशा जिले के लटेरी तहसील क्षेत्र में इंदौर से सिरोंज जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की आकस्मिक मृत्यु का समाचार अत्यंत ही दुखद है। दुख की इस घड़ी में सभी शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी शोक संवेदनाएं हैं। सीएम मोहन यादव ने आगे लिखा, ÷जिला प्रशासन की मदद से दुर्घटना में हुए घायलों को जिला चिकित्सालय में उपचार हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से 2-2 लाख एवं गंभीर रूप से घायलों को 50-50 हजार की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि दिवंगतों की पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान, घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा शोकाकुल परिजनों को यह गहन दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अयोध्या के राम पथ पर नहीं होगी शराब और मांस की बिक्री

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम पथ पर नहीं होगी शराब और मांस की बिक्री, बीड़ी-सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापन पर भी पाबंदी अयोध्या- रामनगरी अयोध्या में मीट और शराब की बिक्री को लेकर नगर निगम ने एक प्रस्ताव पारित किया है। इसके मुताबिक अब अयोध्या और फैजाबाद शहर को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग राम पथ पर शराब और मांस की बिक्री पर पूरी तरह से रोक लगा दी जाएगी। मांस और शराब की बिक्री से जुड़ा प्रस्ताव राम पथ के 14 किलोमीटर के हिस्से को लेकर लाया गया है। इस 14 किलोमीटर के राम पथ पर अब शराब और मांस की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। इसके अलावा पान, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट और इनरवियर के विज्ञापन भी राम पथ पर नहीं प्रदर्शित किए जाएंगे। दरअसल, अयोध्या में स्थित रामलला का मंदिर राम पथ पर ही स्थित है। ऐसे में अयोध्या नगर निगम ने मांस और शराब की बिक्री पर रोक लगाने का प्रस्ताव पारित किया है। बता दें कि अयोध्या में मांस और शराब की बिक्री पर पहले से ही प्रतिबंध लागू है।

100 पाकिस्तानियों का समाधान है, नमो मिसाइल, शेर के आगे नहीं खेलना चाहिए

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश गुस्से में है। भारत-पाकिस्तान के बीच बॉर्डर पर तनाव बढ़ गया है। पीएम मोदी आज आंध्र प्रदेश के अमरावती शहर पहुंचे। तेलगू देशम पार्टी के प्रमुख एवं आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद वह पीएम मोदी से मिले। हमेशा हसमुख रहने वाले पीएम मोदी बेहद दुखी दिखे।

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमला काफी दुखद है। नायडू ने बताया कि पीएम मोदी के लिए देश हमेशा फर्स्ट रहा है। इस दौरान सीएम चंद्रबाबू नायडू के बेटे एवं राय सरकार में मंत्री नारा लोकेश ने पीएम मोदी के सामने कहा, 100 पाकिस्तानियों का समाधान नमो मिसाइल है।

मंच से बोलते हुए नारा लोकेश ने कहा, पाकिस्तान ने सीमा लांघी है। मासूमों को मारा है। बहुत बड़ी गलती की है। एक नहीं सौ पाकिस्तान भी आते हैं, तब देश की जमीन की घास भी नहीं उखाड़ सकते हैं। सौ पाकिस्तानियों का समाधान है, हमारा मिसाईल नमो (नरेंद्र मोदी)। शेर के आगे खेलना नहीं चाहिए। अगर खेलोगे तो शेर ऐसा पंजा मारेगा कि विश्व पटल से पाकिस्तान का नाम गायब हो जाएगा। आज

हालत ये है कि पाकिस्तान में कुछ आर्मी अफसर इस्तीफा दे चुके हैं, तो कुछ छुट्टी पर गए हैं। ये नमो है। पीएम मोदी के सामने नमो मिसाइल की बात करने वाले नारा लोकेश वर्तमान में आंध्र प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। वे सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार, मानव संसाधन विकास, और रियल टाइम गवर्नेंस (ऋञ्जत्) विभागों के मंत्री हैं। उन्होंने 12 जून 2024 को कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली थी।

आंध्र प्रदेश के अमरावती में सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा, पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले से बेहद दुखी होने के बावजूद पीएम मोदी ने आज के कार्यक्रम में भाग लिया, जो उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जल संकट के खिलाफ महिलाओं ने खोला मोर्चा

गंभीरता को देखते हुए डैम परिसर में पुलिस तैनात

मुंबई (एजेंसी)। नासिक जिले के इगतपुरी में जलसंकट की समस्या को लेकर स्थानीय लोगों का आंदोलन जारी है। इस बीच गुरुवार को जल समस्या के विरोध में महिलाओं ने मुंबई कैनाल में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाएं वैतरणा बांध की मुंबई कैनाल में छलांग लगाई। इस दौरान प्रदर्शनकारी रस्सी लगा रखे थे ताकि महिलाएं बहें नहीं। इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के बाद, जलसंपदा विभाग के अधिकारियों ने नरम रुख अपनाते हुए मुंबई को भेजा जाने वाला कैनाल का पानी तत्काल बंद कर दिया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डैम परिसर में पुलिस तैनात किया गया है ताकि कोई अनुचित घटना न हो।

बता दें कि इगतपुरी पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। इलाके में पानी की कमी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। लोगों को दिनचर्या चलाने के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। दावा किया जा रहा है कि आदिवासी इलाकों में कई टैंकर लगाए गए हैं।

इगतपुरी तालुका में औसतन 3500 मिमी बारिश होने के बावजूद 17 गांवों में पानी की आपूर्ति के लिए अभी भी 18 टैंकरों की जरूरत है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन की उदासीनता के कारण गरीब और आदिवासी लोग पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। वर्तमान में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति प्राप्त करने वाले गांवों में वालविहिर, मंजरगांव, सोनोशी, आधारवाड़, मैदारा-धनोशी, कुरुंगवाड़ी, अंबेवाड़ी, चिंचले खैरे, खेड़, भावली बुद्रुक, अवलखेड, वसाली, वाघेरा, मुंडेगांव, खैरगांव, भारवाज-निरपन और कलुस्टे शामिल हैं। तहसील कार्यालय को शेवगेदांग, करोनले और ताकेड बुद्रुक गांवों में टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति शुरू करने के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इगतपुरी तालुका के प्रमुख बांधों में जल संग्रहण में उल्लेखनीय कमी आई है। प्रशासनिक रिपोर्टों के अनुसार, कई बांधों में 50त्न से भी कम जल संग्रहण बचा है, जबकि कुछ बांध नीचे पहुँचने के कगार पर हैं।

हरियाणा-पंजाब के बीच जल विवाद का समाधान!

दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की हुई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और पंजाब के बीच जल विवाद को सुलझाने के लिए शुक्रवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय की बैठक हुई। भारत सरकार के गृह सचिव की अध्यक्षता में नई दिल्ली में हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों की तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) द्वारा हरियाणा को आगामी 8 दिनों के लिए अतिरिक्त 4500 क्यूसेक पानी छोड़ने के निर्णय के कार्यान्वयन के मुद्दे पर चर्चा की गई। बताया जा रहा है कि केंद्रीय गृह सचिव ने दोनों राज्यों को अपनी-अपनी जिद छोड़ने की सलाह दी।

इस मामले पर अधिकारियों को सलाह दी गई कि भाखड़ा बांधों से हरियाणा को आगामी 8 दिनों के लिए 4500 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने के बीबीएमबी के निर्णय को लागू किया

जाए ताकि उनकी तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। इस बात पर भी सहमति हुई कि बांधों के भरने की अवधि के दौरान बीबीएमबी पंजाब को उनकी किसी भी अतिरिक्त जल आवश्यकता को पूरा करने के लिए यह अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराएगा। बीबीएमबी हरियाणा को अतिरिक्त पानी जारी करने के कार्यान्वयन की रूपरेखा तैयार करने के लिए तुरंत बोर्ड की बैठक बुलाएगा।

बता दें कि पंजाब और हरियाणा के बीच लंबे समय से चले आ रहे जल-बंटवारे के विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। भाखड़ा नांगल बांध से पानी की आपूर्ति में हालिया कटौती को लेकर तनाव बढ़ गया है। हरियाणा सरकार ने 8,500 क्यूसेक पानी की मांग की है, हालांकि, पंजाब ने यह कहते हुए अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है कि उसके पास अतिरिक्त पानी नहीं है। मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने पहले ही हरियाणा के दैनिक जल कोटे को 9,500 क्यूसेक से घटाकर केवल 4,000 क्यूसेक कर दिया है।

नशे में धुत बाप ने की बेटे की हत्या, सिलबट्टे से कूंच डाला सिर

गोंदिया (एजेंसी)। जायदाद को लेकर बंटवारे के मामले और इससे जुड़े विवाद तो आमतौर पर होते रहते हैं, लेकिन संपत्ति विवाद में एक बाप ने अपने ही बेटे की हत्या कर दिया। पूरा मामला महाराष्ट्र के गोंदिया जिले के आमगांव तहसील का बताया जा रहा है। आमगांव पुलिस ने जानकारी देते बताया कि थाने से 5 किलोमीटर दूर ग्राम किड़गीपार में रहने वाले नामदेव दुर्गाजी बागड़े (55) का अपने बेटे रमेश नामदेव बागड़े (31) के साथ प्रॉपर्टी के बंटवारे को लेकर काफी दिनों से विवाद चल रहा था। पुलिस ने बताया 30 अप्रैल की रात को

बाप ने अपने बेटे की हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक मजदूरी के काम से घर लौटे पिता-पुत्र दोनों नशे में थे। इसी बीच बाप-बेटे के बीच पैतृक जायदाद के बंटवारे की बात सामने आई, जिसे लेकर दोनों में विवाद छिड़ गया। बेटे ने पुश्तैनी जमीन में हिस्सा देने को लेकर बात शुरू की, जबकि नशे में धुत पिता ने पुत्र के साथ गाली-गलौज करना शुरू कर दिया। कुछ देर बाद दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। इसी दौरान पिता घर के अंदर गया और लाठी तथा किचन में चटनी पीसने के लिए रखा पत्थर का सिलबट्टा उठा लाया। पिता ने %आज तेरा काम ही तमाम कर दूंगा% कहते हुए लाठी से पुत्र रमेश पर हमला किया।

‘यह राजनीति करने का समय नहीं है, राष्ट्रीय संकल्प दिखाने का है’

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आंतकी हमले को लेकर आज कांग्रेस ने कांग्रेस कार्यसमिति यानी कांग्रेस वर्किंग कमेटी एक प्रस्ताव पारित किया। कांग्रेस ने इसमें कहा कि

- **कांग्रेस की बैठक में आतंकी हमले को लेकर पारित हुआ प्रस्ताव**

कांग्रेस कार्यसमिति पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले 26 परिवारों के साथ एकजुटता और संवेदना के साथ खड़ी है। इन परिवारों का दर्द पूरे राष्ट्र का दर्द है। कांग्रेस कार्य समिति केवल शब्दों में ही नहीं, बल्कि स्थायी एकजुटता के साथ उनके साथ खड़ी है।

आगे कहा कि पूरा देश आज जवाबदेही, स्पष्टता और न्याय की प्रतीक्षा कर रहा है। इस अक्षम्य और उकसावे भरे हमले के मद्देनज़र, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस मानती है कि यह राजनीति करने का समय नहीं है, यह वह क्षण है जब देश को एकजुटता, दृढ़ता और राष्ट्रीय संकल्प दिखाना चाहिए। हमें राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि भारत एकजुट है और किसी भी परिस्थिति में उसकी एकता को कमजोर नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान को अलग-थलग और दंडित करे सरकार

आगे कांग्रेस ने कहा कि यह समय हमारे राष्ट्रीय संकल्प को दिखाने का है ताकि हम पाकिस्तान को सबक सिखा सकें और आतंकवाद पर निर्णायक रूप से लगाम लगा सकें। इस कायरतापूर्ण हमले के साजिशकर्ताओं और अपराधियों को उनके कृत्य के पूर्ण परिणाम भुगतने चाहिए। कांग्रेस पार्टी भारत सरकार से आग्रह करती है कि वह मजबूती, रणनीतिक स्पष्टता और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के साथ कार्य करे, ताकि पाकिस्तान को हमारे देश में आतंक फैलाने के उसके निरंतर प्रयासों के लिए वैश्विक मंच पर अलग-थलग और दंडित किया जा सके।

आगे कांग्रेस ने सरकार से मांग भी कि पीड़ित परिवारों को लंबे समय के लिए नैतिक और संस्थागत सहायता दी जाए। केवल मुआवजा पर्याप्त नहीं है, दीर्घकालिक पुनर्वास, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, और शहीदों की स्मृति को नेशनल लेवल पर सम्मान और नागरिक स्मरण के माध्यम से जीवित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

आगे सरकार पर सवाल करते हुए कांग्रेस ने कहा कि कांग्रेस वर्किंग कमेटी इस देश के अत्यंत सुरक्षित माने जाने वाले क्षेत्र में हुई इस घटना को सुरक्षा में गंभीर चूक मानते हुए, उसकी समयबद्ध और स्पष्ट जवाबदेही तय किए जाने की अपनी पूर्व मांग को दोहराती है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के नये संशोधन 15 मई से होंगे प्रभावी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना में किये गये संशोधन 15 मई 2025 से प्रभावी होंगे। नये संशोधन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के लिये चार तिथियां बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया एवं तुलसी विवाह (देवउठनी ग्यारस), एक अन्य तिथि विभाग के अनुसार निर्धारित की जा सकती है। योजना के अन्तर्गत अब सामूहिक विवाह इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे, जिन्हें योजना के तहत लाभ प्रदान किया जायेगा। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग की दृष्टि से योजना की तिथियों का निर्धारण किया गया है। साथ ही सामूहिक विवाह समारोह में जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 तथा अधिकतम 200 निर्धारित की गई है। योजना का लाभ प्राप्त करने की अन्य शर्तें पूर्ववत ही रखी गयी हैं। योजना के तहत 49 हजार रूपये सीधे वधु के खाते में ट्रांसफर किये जाते हैं तथा 6 हजार रूपये की राशि आयोजनकर्ताओं को व्यवस्थाओं के लिये दिया जाता है।

सिंगाजी-पीथमपुर 400 के.व्ही. लाइन के लंबित ओ.पी.जी.डब्ल्यू. कार्य पूर्ण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश की प्रमुख संत सिंगाजी थर्मल पॉवर हाउस खंडवा-पीथमपुर 400 के.व्ही. डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन जल्द प्रारंभ होगी। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने बताया कि लंबे समय से लंबित ओ.पी.जी.डब्ल्यू. (ऑप्टिकल फाइबर ग्राउंड वायर) स्थापित करने का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। ओ.पी.जी.डब्ल्यू. कार्य को खरगोन जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग से संपन्न किया गया। इस तकनीकी उपलब्धि से न केवल ट्रांसमिशन लाइन को आकाशीय बिजली से सुरक्षा मिली है, बल्कि इससे उच्च गति के डाटा ट्रांसफर का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। एम.पी. ट्रांसको की अधीक्षण अभियंता श्रीमती नीलम खन्ना ने बताया कि यह कार्य खरगोन जिले की सनावद तहसील के ग्राम सताजाना और कालबरड़ क्षेत्र से गुजरने वाले लगभग 4 किलोमीटर के हिस्से में गंभीर राइट ऑफ वे (आर.ओ.डब्ल्यू.) समस्याओं के चलते पिछले 5 वर्षों से लंबित था। एम.पी. ट्रांसको की यह पहली क्वाडमूस कंडक्टर से निर्मित 140 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन है, जिसमें ओ.पी.जी.डब्ल्यू. स्थापना के पश्चात तेज डाटा संचार एवं ट्रांसमिशन प्रणाली के नए आयाम जुड़ गए हैं। इससे स्काडा प्रणाली, सब-स्टेशनों के रिमोट ऑपरेशन, ट्रांसमिशन प्रोटेक्शन और मॉनिटरिंग डेटा अब जी.एस.एम. की बजाय तीव्र और विश्वसनीय फाइबर ऑप्टिक माध्यम से संचरित होंगे। साथ ही इस लाइन में उपलब्ध डार्क फाइबर को संचार कंपनियों को लीज पर भी उपलब्ध कराया जा सकेगा।

भोपाल आए निवानो शांति पुरस्कार विजेता राजगोपाल पीवी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अगर गांधी आज होते, तो वो नेताओं की तरह संसद में बैठकर भाषण नहीं देते, बल्कि जिलों में जाकर लोगों के बीच रहकर काम करते। धर्म अब बाजार और सत्ता का हथियार बन चुका है, जिससे नफरत और असमानता बढ़ रही है। बातचीत में निवानो शांति पुरस्कार विजेता और गांधीवादी विचारक पीवी राजगोपाल ने यह बात कही। उन्होंने गांधी के मूल्यों और आज के समाज पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे आज का दौर हिंसा, नफरत और धार्मिक बाजारीकरण से भरा हुआ है। ऐसे समय में गांधी के विचार और भी जरूरी हो गए हैं। राजगोपाल ने कहा कि पहले धर्म का स्थान समाज में सौहार्द बढ़ाने वाला था। लेकिन अब धर्म बाजार के हाथ में है। बाजार बहुत पैसे खर्च करके मंदिरों का निर्माण कर रहा है। बाजार त्योहारों का बाजारीकरण कर रहा है।

मंत्री सारंग ने किया ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरूवार को तात्या टोपे स्टेडियम से खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रदेशव्यापी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री श्री सारंग ने कहा कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर - 2025 मध्यप्रदेश के युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। यह शिविर केवल खेल सिखाने का माध्यम नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को एक सजग, अनुशासित और सक्षम नागरिक के रूप में तैयार करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि इस नवाचार के अंतर्गत प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, खेल अकादमियों से जुड़ाव और प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर मिलेंगे।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए जाने वाले पारंपरिक ग्रीष्मकालीन खेल शिविर को इस वर्ष एक नवीन रूप प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश में पहली बार ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर - 2025 को नए तरीके से प्रारंभ किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य केवल खेलों से जुड़ाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच बनेगा जहाँ से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भविष्य के उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में तराशा जाएगा।

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि त्रि-स्तरीय योजना के तहत हम उत्कृष्ट खिलाड़ी निर्माण करेंगे। इसमें प्रथम चरण में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चयनित किया जायेगा। द्वितीय चरण में चयनित खिलाड़ियों को विभाग की 'प्रतिभा खोज' और 'खेलो बढ़ो अभियान' जैसे योजनाओं से जोड़ा जाएगा। तृतीय चरण में शीर्ष खिलाड़ियों को खेल अकादमियों और 'खेलो एमपी' सहित विभाग की प्रमुख प्रतियोगिताओं में सम्मिलित कर भविष्य के चैंपियन तैयार किए जाएंगे।

शिविर में खेलों के साथ शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास पर फोकस

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि गर्मियों की छुट्टियों में बच्चें खेल के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास पर भी कार्य करेंगे। विद्यार्थियों को व्हॉलीबाल, जिम्नास्टिक, जूडो, ताईक्वांडों, बॉक्सिंग, कबड्डी, तलवारबाजी, कराते, मल्लखम्ब, टेबिल टेनिस, स्केटिंग, कुश्ती, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, बॉस्केटबॉल, एरोबिक, स्कवैश, एथलेटिक्स, शूटिंग (रायफल/पिस्टल) का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इन खेलों के साथ ही विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिये आध्यात्म, योग सहित विभिन्न गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है।

7 लाख 81 हजार 389 किसानों से 67 लाख 92 हजार 890 मीट्रिक टन से अधिक हुई गेहूँ खरीदी-खाद्य मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रदेश में अभी तक 7 लाख 81 हजार 389 किसानों से 67 लाख 92 हजार 890 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। किसानों को उपार्जित गेहूँ का भुगतान भी लगातार किया जा रहा है। अभी तक लगभग 6000 करोड़ रूपये से अधिक का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये है और राज्य सरकार द्वारा 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस दिया जा रहा है। इस तरह से गेहूँ की खरीदी 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। गेहूँ का उपार्जन 5 मई तक होगा। प्रदेश में अभी तक जिला उज्जैन में 6 लाख 48 हजार 993, सीहोर में 6 लाख 25 हजार 718, विदिशा में 5 लाख 38 हजार 284, रायसेन में 5 लाख 25 हजार 172, शाजापुर में 3 लाख 55 हजार 439, राजगढ़ में 3 लाख 52 हजार 734, नर्मदापुरम में 3 लाख 42 हजार 513, भोपाल में 3 लाख 23 हजार 273, देवास में 2 लाख 82 हजार 360, सागर में 2 लाख 70 हजार 225, इंदौर में 2 लाख 46 हजार 432, सिवनी में 2 लाख 2 हजार 890, आगर-मालवा में एक लाख 81 हजार 129, मंदसौर में एक लाख 65 हजार 210, सतना में एक लाख 36 हजार 217, हरदा में एक लाख 26 हजार 653, धार में एक लाख 22 हजार 249, दमोह में एक लाख 10 हजार 321, रतलाम में एक लाख 2 हजार 67, नरसिंहपुर में 98 हजार 584, जबलपुर में 79 हजार 308, कटनी में 77 हजार 40, श्योपुर में 77 हजार 30, दतिया में 70 हजार 768, शिवपुरी में 64 हजार 782, रीवा में 61 हजार 349, ग्वालियर में 57 हजार 292, छतरपुर में 55 हजार 910, अशोकनगर में 49 हजार 421, पन्ना में 46 हजार 82, गुना में 45 हजार 560, मण्डला में 44 हजार 484, भिण्ड में 42 हजार 476, खण्डवा में 42 हजार 194, मैहर में 35 हजार 32, नीमच में 34 हजार 503, मुरैना में 28 हजार 967, बैतूल में 23 हजार 868, झाबुआ में 23 हजार 863, छिंदवाड़ा में 22 हजार 869, हजार 619, डिण्डोरी में 2 हजार 941, खरगौन में 2 हजार 914, निवाड़ी में 2 हजार 754, बालाघाट में 1 हजार 121, अनूपपुर में 832, अलीराजपुर में 245 और पांढुर्णा में 77 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

अतुलनीय मध्यप्रदेश पेवेलियन बना आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट-2025 में एमपी टूरिज्म का अतुलनीय मध्यप्रदेश पवेलियन, प्रदेश के पर्यटन स्थलों और संस्कृति के अनूठे और रोचक प्रस्तुतीकरण के कारण आगंतुकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। नवीनतम डिजिटल तकनीक से बने टच इनेबल्ड इंटरैक्टिव मैप के माध्यम से मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में अतिथि जान रहे है। साथ ही बड़ी एलसीडी स्क्रीन में चलने वाले के टीवीसी और विडियोज को देखकर प्रदेश की सुंदरता के प्रति मोहित हो रहे है।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि जैसे वैश्विक मंच पर 'अतुलनीय मध्यप्रदेश' पवेलियन के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध पर्यटन विविधता, ऐतिहासिक धरोहरों, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत को नवीन तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। हमारा उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को मध्यप्रदेश की खूबसूरती और संभावनाओं से परिचित कराना है। पेवेलियन के माध्यम से निवेशकों, फिल्म निर्माताओं और पर्यटकों को आमंत्रित किया जा रहा हैं कि वे मध्यप्रदेश को अपनी प्राथमिक पसंद बनाएं। पर्यटन के लिए बल्कि प्रदेश की नई पर्यटन एवं फिल्म नीति का लाभ उठाए साथ ही आर्थिक प्रगति भी करें। प्रदेश की वन्य संपदा और ऐतिहासिक धरोहरों की रोमांचक यात्रा कराने के लिए पेवेलियन में आधुनिक तकनीक से बनी एनामॉर्फिक स्क्रीन लगाई गई है, जहां पर्यटन स्थलों, वन्य क्षेत्रों और वन्य जीवों को थ्रीडी तकनीक से प्रदर्शित किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश टूरिज्म पॉलिसी और मध्यप्रदेश की फिल्म पॉलिसी से अवगत कराने के लिए टच स्क्रीन लगाई गई है, जहां इच्छुक पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से बिंदुवार जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही सभी आंगतुकों को ब्रोशर, मध्यप्रदेश का पर्यटन मैप, साहित्य और सोवेनियर भी प्रदान किए जा रहे हैं। पेवेलियन को आकर्षक रूप से सुसज्जित किया गया है। साथ ही ऑकुलस के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन स्थलों की वर्चुअल सैर भी करायी जा रही है। देश-विदेश से आने वाले आर्टिस्ट, इनोवेटर्स, इन्वेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स को मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों, ऐतिहासिक धरोहरों, प्रदेश की परंपराओं, संस्कृति, वन संपदा और वन्य जीवन के बारे में अवगत कराया जा रहा है।

बिजली अवरूद्ध होने पर उपभोक्ता कॉल सेन्टर 1912, उपाय ऐप, व्हाट्सऐप चेटबोट अथवा वेब साइट पर दर्ज कराएं शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आँधी, बारिश के दौरान एवं अन्य व्यवधान के कारण हुए बिजली फॉल्ट की शिकायतें दर्ज कराने के लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं को अनेक विकल्प प्रदान किये गये हैं। अब उपभोक्ताओं के पास विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज करने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912, व्हाट्सऐप नंबर 0755-2551222, मोबाइल ऐप 'उपाय अथवा कंपनी की वेब साइट का विकल्प मौजूद है। उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर अपनी विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतें दर्ज कर आसानी से निराकरण करा सकते हैं।

कंपनी ने कहा है कि उपभोक्ता शिकायत दर्ज करने के लिए अपने मोबाइल में कंपनी के व्हाटसऐप नंबर 07552551222 को सेव कर मैसेज लिखकर भेजें एवं आगामी संदेशों का पालन करें। इसी प्रकार प्ले स्टोर के माध्यम से उपाय ऐप को डाउनलोड कर एवं उसके उपयोग से भी अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकते है। कंपनी के पोर्टल पर जाकर एलटी सर्विसेज पर क्लिक करें उसके बाद कंपलेंट पर क्लिक करें तथा आगामी संदेशों का पालन करें अथवा 1912 पर कॉल कर आईवीआरएस के माध्यम से त्वरित शिकायत दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए फ्यूज ऑफ कॉल (विद्युत अवरोध को दूर करना) समय पर अटेण्ड करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी के समस्त मैदानी अधिकारी अथवा कार्मिक अपने मोबाईल फोन को 24 घंटे चालू रखें। किसी अधिकारी अथवा कार्मिक का मोबाईल नंबर अगर बंद पाया गया तो उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनजातीय क्षेत्रों में घर घर तक पहुँची 66 मोबाईल मेडिकल यूनिट- डॉ. विजय शाह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जनजाति कार्य मंत्री डा. विजय शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान के अंतर्गत पीएम जनमन योजना में प्रदेश के कमजोर जनजातीय समूहों के सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ ही जनजाति वर्ग के हितग्राहयों के स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देते हुए जनजातीय क्षेत्रों में ऐसी बसाहट वाले क्षेत्र जहाँ 5 कि. मी.के दायरे में कोई भी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध नहीं है, में मोबाईल स्वास्थ्य वैन यूनिट के माध्यम से जन-जन तक स्वास्थ्य सेवायें पहुँचाई जा रही हैं। जनजाति कार्य विभाग केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों में जनजाति वर्ग के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार की ओर से नोडल विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। डा0 विजय शाह ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास यह है कि केन्द्र सरकार द्वारा पोषित इस योजना का लाभ प्रदेश के जनजाति वर्ग के अंतिम पंक्ति के अंतिम हितग्राही को मिल सके।प्रदेश की जनता को डबल इंजिन सरकार का भरपूर लाभ मिल सके। प्रदेश के 21 पीवीटीजी जिलों के 87 ब्लाकों में शासकीय स्वास्थ्य केन्द्र की अनुलब्धता वाले 1645 चिन्हित क्षेत्र में 66 मोबाईल मेडिकल यूनिट इस समय संचालित हैं।

अवैध कॉलोनियों पर बड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कलेक्टर भोपाल श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देश पर अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम बिशनखेड़ी में व्यापक स्तर पर कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई में जेसीबी से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय भूमि पर की जा रही अवैध प्लॉटिंग को हटाया गया। यह भूमि ग्राम बिशनखेड़ी, पटवारी हल्का नंबर-10 में स्थित है, इसमें खसरा क्रमांक 14/2 रकबा 1.00 हेक्टेयर और खसरा क्रमांक 15/2 रकबा 0.652 हेक्टेयर पर शुभम साहू पुत्र जमना प्रसाद एवं नजमा पत्नी हसीन खां द्वारा कब्जा किया गया था, जिसकी अनुमानित सरकारी कीमत लगभग 1 करोड़ 9 लाख रुपए आँकी गई है।

इसके अतिरिक्त खसरा क्रमांक 139, रकबा 0.600 हेक्टेयर पर जियाबाई पत्नी

दौलत सिंह, गोपाल सिंह, पवन, एवं हेमराज पुत्रगण दौलत सिंह द्वारा भी अवैध कॉलोनी का निर्माण किया जा रहा था, जिसकी सरकारी कीमत लगभग 40 लाख रुपए आंकी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अतिक्रमण और अवैध प्लॉटिंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस तरह की गतिविधियों में लिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और आमजन को भी चेतावनी दी गई है कि वे अवैध कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें।

सीवेज और नाली मरमत वर्षा पूर्व करना सुनिश्चित करें : राज्यमंत्री कृष्णा गौर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र की विभिन्न कॉलोनियों का भ्रमण के दौरान जनता से उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि समस्याओं का मौके पर निराकरण के प्रयास भी किये जा रहे है। उन्होंने कहा सीवेज, नाली मरम्मत आदि के कार्यों को वर्षा पूर्व करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर को शंकराचार्य होम्स के रहवासियों ने जलापूर्ति में कम प्रेशर, पानी की कमी, स्ट्रीट लाइट की खराबी एवं सीवेज संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। राज्यमंत्री ने शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। अंजलि विहार के नागरिकों ने जनसंवाद के दौरान जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइट, सीवरेज व्यवस्था जैसे विषयों को उठाया। इस पर त्वरित समाधान हेतु अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए।

प्रोसपेरा कॉलोनी, वैष्णों परिसर और श्री रामेश्वरम कॉलोनी के रहवासियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटाने, सीवेज व्यवस्था दुरुस्त करने, स्ट्रीट लाइट सुधारने एवं अन्य नागरिक सुविधाओं की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। यशोदा गार्डन में नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए सीवेज व्यवस्था को दुरुस्त करने, अतिक्रमण हटाने एवं पार्क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए। गायत्री विहार में रहवासियों ने बताया कि सीवेज लाइन तो हैं, लेकिन वह सीवेज नेटवर्क से कनेक्ट नहीं है। राज्यमंत्री ने मौके पर जाकर अधिकारियों को सीवेज लाइन का कार्य बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। शिव शक्ति मंदिर गुलाबी नगर में मंदिर के आसपास पेविंग ब्लॉक, स्ट्रीट लाइट, 2 हाईमास्क और मंदिर के मुख्य द्वार पर गेट की मांग को तुरंत स्वीकार करते हुए अधिकारियों को शीघ्र इन्हें पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

भेल संगम कालोनी बाग सेवनिया के रहवासियों ने मुख्य रूप से 80 फीट रोड पर लाइट की व्यवस्था, खुली पड़ी नालियों पर फर्श लगाने, मेन रोड पर स्पीड से वाहन गुजरते हैं, इसलिए ब्रेकर बनवाने की मांग की।

छोटी नदियों के संरक्षण से बड़ी नदियाँ रहेगी अविरल प्रवाहित-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि हमारा लक्ष्य सिर्फ जल को संरक्षित करना नहीं, जल स्त्रोतों को बचाना भी है। उन्होंने कहा कि बड़ी नदियों को बचाने के लिए छोटी नदियों को बारहमासी करने का मौका अभी हमारे पास हैं। हमारे पूर्वजों ने बावड़ियां बनाई, कुएं बनाए है, उन्हें सहजने का कार्य हमें करना होगा। उन्होंने कहा कि उद्देश्य बड़ा साफ है, छोटी नदियों को हमने अगर बारहमासी कर?दिया तो बड़ी नदियों का अस्तित्व बचा रहेगा। मंत्री श्री पटेल गुरुवार को दमोह जिले के किशन तलैया में जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, सांसद दमोह श्री राहुल सिंह लोधी, विधायक एवं पूर्व मंत्री दमोह श्री जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा श्रीमती उमादेवी खटीक, सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, अधिकारी-कर्मचारीगण, नागरिक मौजूद रहे। मंत्री श्री पटेल ने कहा जल गंगा संवर्धन अभियान 30 मार्च से 30 जून तक चलेगा। विगत वर्ष 32 नदियों को जोड़ने का संकल्प लिया था इस बार संकल्प है, मध्यप्रदेश में नर्मदा बेसिन, गोदावरी बेसिन, गंगा बेसिन उसमें जाने वाली किसी भी नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश में है, उस तक पहुँचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा सीधे नदी से पानी लेते है, तो एक भी बूँद पानी नही बचता ओर बाद में हम मवेशियों के लिये ट्यूबवेल से भरते है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से जल संरक्षण कार्य किया जायेगा, सरकार इसकी अगुवाई कर रही हैं। मंत्री श्री पटेल ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का अभारी हूँ कि सांस्कृतिक अमूर्त धरोहर के रूप में नर्मदा परिक्रमा को शामिल किया गया है। आने वाले समय में यूनेस्को की लिस्ट में भी नर्मदा परिक्रमा शामिल हो।

प्रज्ञा ठाकुर की जमानत के खिलाफ याचिका पर सुनवाई रुकी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 मालेगांव ब्लास्ट मामले में आरोपी पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई खत्म कर दी है। यह याचिका पीड़ितों

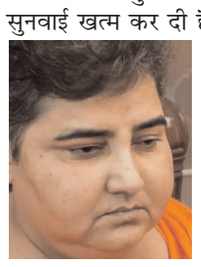

में से एक के पिता निसार अहमद ने 2017 में दायर की थी। उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट के प्रज्ञा ठाकुर को दी गई जमानत को रद्द करने की मांग की थी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर एडवोकेट ने बताया कि अब एनआईए कोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर आगे सुनवाई न करे। कोर्ट ने यह तर्क मान लिया और कहा कि जब ट्रायल कोर्ट में फैसला जल्द आने वाला है, तब इस याचिका पर आगे विचार करने की जरूरत नहीं है। एनआईए कोर्ट ने 19 अप्रैल को मालेगांव विस्फोट मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। इस विस्फोट में 7 लोगों की मौत हुई थी और 100 से ज्यादा घायल हुए थे।

विभागीय भर्ती और उपकरण खरीदी समय से पूर्ण कराने के निर्देश

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों की लम्बित मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि संविदा कर्मियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी प्रकार की बाधा न आए। साथ ही, उन्होंने विभागीय रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के साथ भर्ती प्रक्रिया को संपन्न किया जाए।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने अधोसंरचना विकास के कार्यों की और निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण हों। साथ ही, स्वास्थ्य संस्थानों के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीदी की कार्यवाही में गति लाने के निर्देश भी दिए, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकें। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रबंध संचालक डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जन अभियान परिषद ने शंकराचार्य जयंती पर आयोजित की संगोष्ठी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के नईगढ़ी में जन अभियान परिषद द्वारा आदिगुरू शंकराचार्य की जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता स्वामी जयप्रकाश ने संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए कहा कि आदिगुरू शंकराचार्य महान दार्शनिक और अद्वैतवाद के प्रवर्तक थे। उन्होंने 32 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में सनातन हिन्दू धर्म का पुनरूद्धार किया। शंकराचार्य जी का जन्म आठवीं शताब्दी में केरल में कालड़ी गांव में नम्बूदरी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उन्होंने कम उम्र में ही सन्यास धारण कर वेदों का गहन अध्ययन कर लिया। उन्हें भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत के सिद्धांत को स्थापित कर सनातन धर्म को नई दिशा दी। समाज की कई धार्मिक विडंबनाओं और भ्रांतियों को दूर करके उन्होंने नवचेतना का संचार किया। अपने छोटे से जीवनकाल में शंकराचार्य ने हिन्दू

धर्म को संगठित और सुदृढ़ किया।

संगोष्ठी में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने कहा कि जन अभियान परिषद प्रदेश के सभी विकासखण्डों में मई माह में आदिगुरू शंकराचार्य जी की जयंती पखवाड़ा मना रही है। इसके तहत आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से शंकराचार्य जी के जीवन दर्शन और आध्यात्मिक चेतना से आमजनों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। रीवा और मऊगंज जिलों के सभी विकासखण्डों में शंकराचार्य जी से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संगोष्ठी में ग्राम पंचायत अकौरी के सरपंच अच्छेलाल कोल, उद्यान विस्तार अधिकारी राजपति वर्मा, परदेशीलाल अकेला, समाजसेवी विक्रांत द्विवेदी, विकासखण्ड समन्वयक अनीता मिश्रा, नवांकुर संस्थाओं के प्रमुख, प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, विद्यार्थी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा आमजन उपस्थित रहे।

दिलीप वलेचा ने किया 29वीं बार रक्तदान

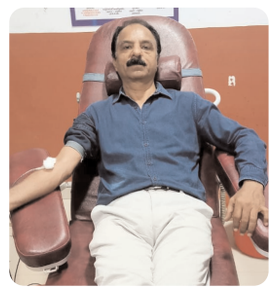

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में सहयोग करने वाले समाजसेवी दिलीप वलेचा जी ने जिला अस्पताल में भर्ती जरूरतमंद को अपने रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया।

उल्लेखनीय है दिलीप निरंतर रक्तदान कर रहे हैं एवं इसके पूर्व 28 बार रक्तदान कर चुके हैं

समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6583 यूनिट रक्तदान एवं 35 यूनिट प्लेटलेट्स करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। रक्तदान करवाने मे मनीष सदानी जी,का उल्लेखनीय योगदान रहा। दिलीप जी के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक श्री गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी अमित कामरानी रंजीत सेनानी जितेंद्र गावरी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी अशोक चांदवानी बसंत खत्री दीपक वाधवानी केशव मखीजा राजेश कोटवानी राजकुमार साधवानी मनीष टेकवानी पंकज आहूजा मनीष सदानी बंटी भोजवानी मनोज सुखदानी सहयोगी आकाश बनर्जी मनमोहन माहेश्वरी विभाग बनर्जी आशीष मोगिया बसंत शर्मा निक्की मनचंदानी विशाल राजपाल संजय आहूजा बंसी नागदेव महिला मंडल से मोना चोपड़ा राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई डॉक्टर विद्या पांडे,कशिश नागदेव सिमरन होतचंदानी निशा गोयल आभा सिंह रशिम जैन प्रेरणा जादवानी अनामिका सोनी ने दिलीप जी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ई केवाईसी कराने पर ही मिलेगा जून माह से खाद्यान्न - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत संचालित उचित मूल्य दुकानों से खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों को हर माह निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न दिया जा रहा है। शासन द्वारा 15 मई से स्मार्ट खाद्यान्न वितरण व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए प्रत्येक राशन कार्ड में दर्ज हितग्राही का ई केवाईसी होना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी राशन कार्डधारियों से अपील करते हुए कहा है कि इस माह का खाद्यान्न लेने के लिए उचित मूल्य दुकान जाने पर सभी सदस्यों का ई केवाईसी करा लें। ई केवाईसी न कराने पर यह माना जाएगा कि राशन कार्ड में दर्ज सदस्य वर्तमान में दर्ज पते पर नहीं रह रहा है। इसे स्थाई पलायन मानते हुए उसका नाम राशन कार्ड से पृथक किया जाएगा। ई केवाईसी न कराने पर मई माह के बाद खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उचित मूल्य दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करने के लिए ई केवाईसी तत्काल करा लें। इसके लिए उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन से संपर्क करके पीओएस मशीन के माध्यम से पूरी जानकारी एम राशन मित्र पोर्टल पर दर्ज करें।

कलेक्टर ने एसडीएम जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जिला आपूर्ति अधिकारी तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को ई केवाईसी कराने के लिए शिविर लगाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि जो व्यक्ति उचित मूल्य दुकान में आकर पूरी जानकारी प्रस्तुत कर दे उसका ई केवाईसी तत्काल कर दें। खाद्यान्न वितरण के बाद उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन अन्य कर्मचारियों के साथ शिविर लगाकर शेष बचे हितग्राहियों की ई केवाईसी कराएं। उचित मूल्य दुकानवार सूची उपलब्ध करा दी गई है। सभी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी शिविरों में शामिल होकर 10 मई से पहले शत-प्रतिशत ई केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। एसडीएम ई केवाईसी की प्रगति की प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराएं।

जिले भर में मनाया गया लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

लाड़ली लक्ष्मी पथ पर की गई वॉल पेंटिंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लाड़ली लक्ष्मी उत्सव जिले भर में मनाया गया। जिले की सभी परियोजनाओं में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के तहत रीवा शहर में लाड़ली लक्ष्मी पथ पर बालिकाओं ने दीवार पर स्लोगन लिखे और वॉल पेंटिंग भी की।

उत्सव कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी केन्द्रों में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता का आयोजन किया गया। इस दौरान नवजात बालिकाओं की माताओं का सम्मान किया गया। साथ ही नृत्य, मेहंदी और गायन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विभिन्न आंगनवाड़ी केन्द्रों में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के तहत पौधारोपण भी लाड़ली बालिकाओं द्वारा किया गया। लाड़ली लक्ष्मी

उत्सव कार्यक्रम में लाड़ली बालिकाओं को प्रमाण पत्र एवं छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। लाड़ली क्लब की बालिकाओं द्वारा बेटियों के संबंध में अपने विचार और अनुभव भी व्यक्त किए गए। आंगनवाड़ी केन्द्र डेल्ही क्रमांक 5, बगढा दुबे क्रमांक 2 सहित अन्य केन्द्रों में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एनसीएल में खनिक अभिनंदन दिवस पर श्रमवीरों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सोनभद्र/सिंगरौली (निप्र)। भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में खनिक अभिनंदन दिवस-2025 के अवसर पर मुख्यालय स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के दौरान सीएमडी एनसीएल बी.साईराम,निदेशक (कार्मिक)मनीष कुमार,निदेशक (वित्त)रजनीश नारायण, निदेशक (तकनीकी/संचालन) जितेंद्र मलिक, निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना)सुनील प्रसाद सिंह,श्रमिक संघों के जेसीसी सदस्य- सीएमएस से अजय कुमार, आरसीएसएस से लाल पुष्पराज सिंह, बीएमएस से श्याम धर दूबे,एचएमएस से अशोक कुमार पाण्डेय,सीएमओएआई महासचिव, सर्वेश सिंह, महाप्रबंधक, विभागाक्ष एवं अन्य कर्मियों ने शहीद स्मारक एवं खनिक प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर देश की ऊर्जा आपूर्ति हेतु सर्वोच्च बलिदान देने वाले ऊर्जा वीरों को नमन किया।इस दौरान सीएमडी बी.साईराम ने अपने उद्बोधन में एनसीएल परिवार एवं हितग्राहियों को "खनिक अभिनंदन दिवस" की बधाई दी। साथ ही उन्होंने कर्मी और कार्य दोनों के सम्मान की कार्य संस्कृति को आत्मसात करने हेतु आह्वान किया इसके अतिरिक्त उन्होनें कोल इंडिया के गौरवशाली 50वर्ष पूर्ण होने के आलोक में इस खनिक अभिनंदन दिवस को अलग और अहम बताया उन्होंने एनसीएल की शानदार विभागीय क्षमता उत्कृष्टता का जिक्र करते हुए सभी कर्मियों के अभूतपूर्व योगदान की सराहना की।इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों में पदस्थ 58 उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।एनसीएल की सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में खनिक अभिनंदन दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।इस अवसर पर विभिन्न संवर्गों में 270 पात्र एनसीएल कर्मियों को पदोन्नति भी मिली है।गौरतलब है कि 'खनिक अभिनंदन दिवस' पर केन्द्रीय कार्यक्रम का आयोजन एनसीएल स्टेडियम, सिंगरौली में किया जाएगा जिसमें विभिन्न परियोजना व उत्कृष्ट कर्मियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा ।

डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना से उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा दूध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाओं को लागू किया गया है। पशु चिकित्सा सेवायें विभाग द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना लागू की गई है। इस योजना के माध्यम से मध्यप्रदेश के मूल निवासी सभी वर्ग के पशुपालकों को उन्नत डेयरी स्थापित करने का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में उप संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा ने बताया कि डेयरी स्थापित करने के लिए हितग्राही के पास कम से कम 3.5 एकड़ स्वयं की भूमि होना आवश्यक है। एक हितग्राही अधिकतम आठ इकाईयाँ इस योजना से स्थापित कर सकता है। एक इकाई में गौवंशीय अथवा भैंस वंशीय 25 दुधारू पशु दिए जाते हैं। एक इकाई में सभी पशुओं का एक ही नस्ल का होना आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए पशुपालन विभाग की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एमपी डीएएच डॉट जीओभी डॉट इन पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

उप संचालक ने बताया कि डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में एक हितग्राही एक आवेदन पर एक से अधिक डेयरी इकाईयाँ स्थापित कर सकता है। आवेदक को किसी भी बैंक का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना में हितग्राही के रूप में चयन होने पर पशुपालक को निर्धारित शासकीय प्रशिक्षण संस्थान अथवा महाविद्यालय में पशुपालन का प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा। योजना की प्रत्येक इकाई के लिए देशी गाय की नस्ल में 36 लाख रुपए तथा शंकर गाय अथवा भैंस के लिए 42 लाख रुपए इकाई लागत निर्धारित की गई है। योजना में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को परियोजना लागत की 33 प्रतिशत राशि का अनुदान लाभ दिया जाएगा। अन्य श्रेणी के हितग्राहियों को 25 प्रतिशत अनुदान लाभ मिलेगा। योजना का क्रियान्वयन बैंकों के माध्यम से किया जाएगा।

मऊगंज में मनाया गया लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के परियोजना मऊगंज में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर संजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में जनपद सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं को आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण की आवश्यकता के संबंध में जानकारी दी गई। बालिकाओं को प्रदर्शन करके भी आत्मरक्षा के बारे में सिखाया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा चित्रकारी तथा नृत्य का प्रदर्शन किया गया। लाड़ली बालिकाओं द्वारा मनमोहक गीत भी प्रस्तुत किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अपराजिता प्रशिक्षण के बारे में परियोजना अधिकारी निर्मला शर्मा द्वारा लाड़ली बालिकाओं को जानकारी दी गई और

मास्टर ट्रेनर कराटे सुनीता चौरसिया के सहयोग से बालिकाएं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण ले सकती हैं। इस अवसर पर बताया गया कि ग्राम पंचायत मुदरिया में 146 लाडली बालिकाओं का पंजीयन लाड़ली लक्ष्मी योजना में किया गया है। ग्राम पंचायत मुदरिया चौबान लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायत के रूप में चयनित किए जाने पर सरपंच राजकुमारी रावत को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में तीन लाड़ली बालिकाओं को पंजीयन प्रमाण पत्र और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों में प्रतिभागी बालिकाओं को पुरस्कार प्रदान किये गये। कार्यक्रम का संचालन लाड़ली बालिका कुमारी सपना गर्ग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती नीलम सिंह, जनपद सदस्य अभयराज, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा, पर्यवेक्षक श्वेता सोनी, शांति पटेल सहित आमजन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के संशोधित प्रावधान 15 मई से होंगे लागू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन की मुख्यमंत्री कन्या विवाह तथा निकाह योजना से हजारों गरीब कन्याओं के विवाह संपन्न कराए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर योजना के प्रावधानों में कई संशोधन किए गए हैं। योजना के नवीन प्रावधान 15 मई से लागू हो जाएंगे। इस संबंध में प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि नए प्रावधानों के तहत सामूहिक विवाह समारोह में कम से कम 11 तथा अधिकतम 200 युगलों का विवाह संपन्न होगा। योजना के तहत कुल 55 हजार रुपए की राशि प्रत्येक कन्या के विवाह के लिए दी जाएगी। इसमें से 49 हजार रुपए की राशि सीधे वधू के बैंक खाते में ऑनलाइन जारी की जाएगी। शेष 6 हजार रुपए की राशि सामूहिक विवाह का आयोजन करने वाले नगरीय निकाय अथवा जनपद पंचायत को दी जाएगी। इस राशि से संबंधित संस्था सामूहिक विवाह के लिए बैण्डबाजा, भोजन, विवाह सामग्री तथा अन्य व्यवस्थायें सुनिश्चित करेंगी। सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष में बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया, देवउठनी एकादशी जैसी प्रमुख तिथियों पर स्थाई रूप से सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किए जा सकते हैं। योजना के शेष प्रावधान पूर्वानुसार ही लागू होंगे।

धर्मगुरुओं ने संभाली बाल विवाह की रोकथाम की कमान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश में नागरिक समाज संगठनों के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के रीवा- मऊगंज में सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा/मऊगंज की ओर से अक्षय तृतीया और शादी-ब्याह के मौसम को देखते हुए बाल विवाहों की रोकथाम के लिए विभिन्न धर्मों के विवाह संपन्न कराने वाले पुरोहितों के बीच चलाए जा रहे जागरूकता अभियान को व्यापक सफलता मिली है और सभी धर्मगुरुओं ने इसकी सराहना करते हुए समर्थन का हाथ बढ़ाया है। संगठन ने कहा कि यह देखते हुए कि कोई भी बाल विवाह किसी पंडित, मौलवी या पादरी जैसे पुरोहित के बिना संपन्न नहीं हो सकता, हमने उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया। इसके सकारात्मक नतीजों को देखते हुए हम उम्मीद कर सकते हैं इस अक्षयतृतीया पर जिले में एक

भी बाल विवाह नहीं होने पाएगा। आज जिले में तमाम मंदिरों-मस्जिदों के आगे ऐसे बोर्ड लगे हुए जिन पर स्पष्ट लिखा है कि यहां बाल विवाह की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि जेआरसी 2030 तक देश से बाल विवाह खत्म करने के मकसद से 'चाइल्ड मैरिज फ्री इंडिया' कैम्पेन चला रहा है।

जेआरसी कानूनी हस्तक्षेपों के जरिए बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 416 जिलों में जमीन पर कामकर 250 से भी ज्यादा नागरिक संगठनों का नेटवर्क है जिसने पिछले वर्षों में दो लाख से ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और पांच करोड़ से ज्यादा लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। इसके सहयोगी संगठन अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा/मऊगंज ने स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग व समन्वय से कानूनी हस्तक्षेपों और परिवारों एवं समुदायों को समझा-बुझाकर अकेले 2023-24 में ही जिले में 660/395 बाल विवाह रुकवाए हैं। यह संगठन 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जेआरसी के संस्थापक भुवन ऋभु की किताब 'व्हेन चिल्ड्रेन हैव चिल्ड्रेन टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेज' में सुझाई गई समग्र रणनीति पर अमल कर रहा है।

अहिंसा वेलफेयर सोसायटी रीवा-मऊगंज के समन्वयक सुमित सिंह ने कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुर्माना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुर्माना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्मगुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया क्योंकि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से काम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ ले रहे हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातों रात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त रीवा /मऊगंज के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

डाबर ने महाप्रबंधक व्यापार एवं उद्योग केन्द्र का पदभार ग्रहण किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आर.एस. डाबर ने महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं संयुक्त संचालक उद्योग परिक्षेत्र उद्योग कार्यालय में पदभार ग्रहण कर लिया है। महाप्रबंधक डाबर का मोबाइल नंबर 9424889859 है।

विचार

नेताओं की देशभक्ति की अग्निपरीक्षा, सेना में बेटा भेजो, पेंशन लो!

भारत में एक बार विधायक या सांसद बन जाना आजीवन पेंशन की गारंटी बन चुका है, चाहे उनका संसदीय रिकॉर्ड शून्य क्यों न हो। वहीं, सीमाओं पर तैनात सैनिक हर रोज़ जान जोखिम में डालते हैं, लेकिन उनके परिवारों को न्यूनतम सुविधाएं भी संघर्ष से मिलती हैं। सवाल उठता है – क्या नेताओं की देशभक्ति सिर्फ भाषणों और नारों तक सीमित है? क्यों नहीं उनके बेटे-बेटियां सेना में भर्ती होते? अगर आम जनता अपने बच्चों को देश सेवा के लिए भेज सकती है, तो नेता सिर्फ वोट नहीं, बलिदान भी दें। वक्त आ गया है कि नेताओं की पेंशन को सेना सेवा से जोड़ा जाए – ताकि देशभक्ति सिर्फ मंच की बातें न रह जाए, बल्कि जीने का सच्चा प्रमाण बने।

देशभक्ति का ज़ोर जब चुनावी भाषणों में सिर चढ़कर बोलने लगे और हर गली-चौराहे पर तिरंगे का रंग दिखने लगे, तब हमें थोड़ा रुककर यह सोचना चाहिए कि यह प्रेम किसके लिए है – देश के लिए या कुर्सी के लिए? क्योंकि जिनके मुँह में हर पल भारत माता की जय और वंदे मातरम् है, उनके बच्चे किसी इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ते हैं, विदेश में नौकरी करते हैं, और कभी गलती से भी सीमा की तरफ नहीं देखते। लेकिन वही नेता, जब जनता से त्याग और बलिदान माँगते हैं, तो आत्मा काँप जाती है।

भारत में एक बार विधायक या सांसद बन जाने का मतलब है – रिटायरमेंट सेट है भाई! एक बार कुर्सी मिली, तो ज़िंदगीभर पेंशन, बंगला, सुरक्षा, गाड़ी, ड्राइवर, और माननीय की उपाधि मुफ्त में। चाहे संसद में आपने एक भी सवाल न पूछा हो, चाहे सदन की कार्यवाही में सिर्फ झपकी ली हो, चाहे जनता आपको अगले चुनाव में बाहर का रास्ता दिखा दे – पेंशन मिलती ही मिलती है!

क्या आपने कभी सुना कि एक सैनिक, जो सियाचिन में तैनात था और तीन साल में घर आया, उसे जीवन भर की पेंशन मिल गई हो? नहीं ना? उसे हर सेवा वर्ष का हिसाब देना पड़ता है। उसे शहीद होने पर भी मुआवजे की फाइलें घूमती हैं।

देशभक्ति की बात करते समय नेता अक्सर कहते हैं – हम तो देश के लिए जान देने को तैयार हैं! पर यह हम कौन है? उनके बच्चे कहाँ हैं? क्यों नहीं कोई माननीय पुत्र सीमा पर तैनात है? क्यों नहीं कोई राजकुमारी मेडिकल कोर में है? सच्चाई यह है कि ये नेता देशभक्ति को अपनी राजनीतिक दुकान के प्रमोशनल पोस्टर की तरह इस्तेमाल करते हैं, और उनके बच्चे उस दुकान से मुनाफा उठाते हैं।

अगर देश में जनता को मुफ्त राशन के लिए आधार-ह्रञ्चक्क देना पड़ता है, तो नेता की पेंशन के लिए भी एक शर्त होनी चाहिए – पेंशन तभी मिलेगी, जब आपके परिवार का कोई सदस्य सेना में सेवा देगा। कल्पना कीजिए क्या दृश्य होगा- एक विधायक के बेटे की यूनिफॉर्म की पहली प्रेस हो रही है, एक सांसद की बेटी बूट पहन रही है, एक मंत्री का पोता हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहा है।

भारतीय सेनां की तैयारीयाँ देखकर पाक के होश उड़े

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ देख रही है कि पहले से ही दो जंगों नें पूरी दुनियाँ को डिस्टर्ब कर दिया है, और अब तीसरी जंग शुरू होने के मुहाने पर खड़ी है, जैसे उन दोनों जंगों में दुनियाँ बटी हुई नजर आ रही है, तो इस होने वाली नई जंग में भी संभवतः कुछ देश बटे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि इस तीसरी जंग को ऑपरेशन बदला ? का नाम दिया जा सकता है, अनेक विकसित देशों ने खुलकर समर्थन किया है, और यहां तककि चीन नें भी आतंकवाद के खिलाफ़ खड़े होने की बात कही गई है।सभी पाठक जानते होंगे कि यह जंग भारत-पाकिस्तान की है जो 36 घंटे में शुरू होने हो सकती हैं,जिसका अंदेशा पाक़ सूचना व प्रसारण मंत्री ने लगाया है। यह युद्ध आतंकवाद के खिलाफ एक रोल मॉडल होगा, जो घर में घुसकर आतंकवादियों के अड्डे नेस्तनाबूत करने का लक्ष्य हो सकता है, जिसकी तैयारी क़रीब-क़रीब पूर्ण हो चुकी है।

जो पीएम की सभी मीटिंग्स में तीनों अंगों की सेनाओं के अध्यक्ष, विदेश मंत्री रक्षामंत्री से बैठक हो चुकी है।सेना को फ्री हैंड का आदेश दिया जा चुका है। बता दें यह सब पहलगाम हमले का जवाब देने की रणनीति के अंतर्गत है,जिसकी अनेक देशों ने निंदा की थी व आतंकवाद के खिलाफ भारत को साथ देने की बात कही थी,चूँकि भारत की धड़ाधड़ रक्षा तैयारीयाँ, मीटिंग्स, एलओसी से डरा पाकिस्तान, बचाव में जुटा,36 घंटे में हमले या सर्जिकल स्ट्राइक कीसंभावना है?तथा भारतीय सेना और रक्षा विभाग की तैयारीयों को देखकर पाकिस्तान के होश उड़े, सूचना प्रसारण मंत्री ने भारतीय हमले की 36 घंटे की डेडलाइन निर्धारित की हैं ऐसी जानकारी मीडिया से आ रही है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ऑपरेशन बदला? पाक में दहशत,मंत्री की प्रेस कॉन्फ्रेंसञ्च मिडनाइट भारत तैयार बनाम पाक में हाहाकार।

साथियों बात अगर हम ऑपरेशन बदला?की करें तो बहुत ही भयानक कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं!भारत पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए सैद्धांतिक तौर पर तैयार हो चुका है।

जिस तरह से मंगलवार को पीएम ने तीनों सेनाओं के प्रमुखों और चीफ और डिफेंस स्टाफ के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में बैठक की है और उन्हें इस मामले में हर तरह की कार्रवाई की खुली छूट दी है, उससे अब यह सिर्फ समय की बात रह गई है कि एक्शन कब शुरू होता है। खासकर राजनीतिक नजरिए से देखें तोआरएसएस के प्रमुख का पीएम से मिलने के लिए उनके आवास पर जाना भी बहुत अप्रत्याशित है। इससे यह भी संदेश मिल रहा है कि जो भी एक्शन होगा, उसका प्रभाव बहुत ही तगड़ा होने जा रहा है और उसी लाइन के मुताबिक रहने वाला है, जिसका संकेत खुद पीएम दे चुके हैं। पहले वाले टारगेट को ध्वस्त करने वाला ऑपरेशन कुछ उसी तरह से करना होगा, जिस तरह से अमेरिका ने पाकिस्तान में छिपे अल-कायदा के सरगना ओसामा बिन लादेन को मौत की नींद सुलाने के लिए किया था। भारत इस तरह के टारगेट को साधने के लिए सतह से लेकर नियंत्रण रेखा के काफी अंदर घुसकर पीओके और यहां तक कि पाकिस्तान में भी वार कर सकता है। जहां तक कमांडो ऑपरेशन की बात है तो यह लॉन्च पैड को मिटाने के लिए किए जा सकते हैं। इस तरह के सर्जिकल स्ट्राइक में हमारे जवान पहले काफी सफल रहे हैं। वहीं पाकिस्तान या पीओके के ज्यादा भीतर वाले आतंकी ठिकानों या उनके आकाओं को मारने के लिए लंबी-दूरी की मिसाइल से लेकर हवाई हमले तक का विकल्प हो सकता है।लेकिन, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि उरी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा के बाद पाकिस्तान के करीब 80 किलोमीटर अंदर हुई एयरस्ट्राइक के बावजूद कुछ वर्षों में आतंकी संगठनों ने बहुत बड़ी हिमाकत करके दिखाया है। इसलिए, हो सकता है कि हमारी सेना सभी तरह के विकल्पों का इस्तेमाल एक साथ कर दे,ताकि आतंकियों और उनके आकाओं को किसी बिल में छिपने का भी मौका न मिले। क्योंकि,भारत ने जो संकल्प लिया है, उसे दुनिया भर के ज्यादातर देशों का समर्थन हासिल है। पाक को भी मालूम है कि इस बार वह आतंकियों और उनके सरगनाओं को बचा नहीं सकता। इसलिए भारतीय हमले की बात खुद वहां की सरकार के लोग मान रहे हैं। हमला होकर रहेगा और हमें सिर्फ इंतजार इस बात का करना है कि यह कितना भयानक होता है?

साथियों बात अगर हम उच्च स्तरपर लगातार चली बैठकों में तथा पाक सूचनाप्रसारण मंत्री के 24-36 घंटों में हमले को चार पॉइंट्स में समझने की करें तो, जिस तरह की फोटोज पीएम की मीटिंग की आई है जिसमें सेना और खुफिया विभाग के अफसरों के साथ महत्वपूर्ण मंत्रालयों के मंत्री भी बैठे हैं लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है,दूसरे दिन पीएम राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति यानी सीसीपीए और कैबिनेट की सुरक्षा समिति यानी सीसीएस की बैठक भी की, उससे पाक के सूचना मंत्रीने दावाकिया है कि पक्की खुफिया जानकारी है कि अगले 24 से 36 घंटे में भारतीय सेना का अटैक होने वाला है। जो भी हो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि पहलगाम के कातिलों का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। (1) – पाक लंबे समय से अपनी परमाणु क्षमता को भारत के खिलाफ एक रणनीतिक हथियार के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, पहलगाम अटैक के बाद पाकिस्तानी नेता बार-बार कह रहे हैं कि उनका अस्तित्व खतरे में पड़ा तो वह परमाणु हथियारों का उपयोग कर सकते हैं, यह न्यूक्लियर गुब्बारा पाक की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह भारत को सैन्य कार्रवाई से रोकने के लिए परमाणु युद्ध की धमकी देता है, पर भारत ने जिस तरह अपनी सेना को फ्री हैंड दिया है उसका साफ मतलब है कि पाक परमाणु युद्ध की धमकी का भारत पर कोई असर नहीं है, पाक के रक्षा मंत्री ने रॉयटर्स को बताया कि यदि भारत ने सैन्य हस्तक्षेप किया, तो पाक सभी विकल्प खुले रखेगा, जिसमें परमाणु हथियार भी शामिल हैं, लेकिन भारत की सैन्य ताकत, कूटनीतिक रुख, और अतीत की कार्रवाइयों -जैसे 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट हवाई हमले-ने पाकिस्तान की इस धमकी को कमजोर किया था, भारत ने इस बार भी स्पष्ट कर दिया है कि वह परमाणु युद्ध की धमकी से डरने वाला नहीं है, और उसकी कार्रवाइयाँ नियंत्रित,लक्षित, और प्रभावी होंगी (2)-पीएम की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी, यह स्वायत्तता तकनीकी और सामरिक स्तर पर है, जिसमें सेना को यह तय करने की आजादी है कि कब, कहां, और कैसे कार्रवाई करनी है, यह नीति पहलगाम हमले के जवाब में आई, जिसे भारत ने पाक - आधारित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ा है, फ्री हैंड का अर्थ यह नहीं है कि सेना पाक की तरह अपनी मनमानी करेगी, भारत में लोकप्रिय राजनीतिक नेतृत्व है इसलिए सेना हमेशा उसके मार्गदर्शन में ही काम करती है। फ्री हैंड का मतलब सिर्फ इतना होता है कि सेना को त्वरित और प्रभावी जवाब देने के लिए नौकरशाही से मुक्त करना, भारतीय सेना को फ्री हैंड देने के और भी कई मतलब हैं, जैसे भारतीय सेना पीओके में आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक या हवाई हमले कर सकती है, भारतीय सेना पाक में स्थित आतंकी बेस कैंपों पर आक्रमण कर सकती है, यह भी हो सकता है कि सेना पाक के कुछ हिस्सों का नेवल ब्लॉकेज भी कर दे। (3) पाक की चिंताएं और नींद उड़ने के सबूतभारतीय सेना को फ्री हैंड दिए जाने के बाद किस तरह पाक के होश उड़े हुए हैं यह हम उनके रिएक्शन में देख सकते हैं, पाक में इस घोषणा के बाद घबराहट के कई संकेत दिखे हैं, जो यह दर्शाते हैं कि उसका न्यूक्लियर गुब्बारा कमजोर पड़ रहा है,पाक ने तुरंत अपनी सैन्य तैयारियों को बढ़ा दिया है। एक्स पर पाक सूचना मंत्री ने दावा किया कि भारत 24-36 घंटे के भीतर हमला कर सकता है. पाक सेना ने एलओसी पर सतर्कता बढ़ाई, और 28-29 अप्रैल की रात को कुपवाड़ा बारामूला, और अखनूर सेक्टर में गोलीबारी की, जिसका भारत ने जवाब दिया

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन् 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति

और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी।

जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गर्माया जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फ़ीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफ़ी कम है।

बिलासपुर में होगी कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

8 मई को सचिन पायलट होंगे शामिल, तैयारी के लिए बैज रवाना, कल होगी बड़ी बैठक

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

संविधान बचाओ रैली के लिए कांग्रेस ने नई तारीख और जगह का ऐलान कर दिया है। यह रैली अब 8 मई को बिलासपुर में आयोजित की जाएगी। जिसमें पार्टी के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट शामिल होंगे। पहले ये आयोजन 25 अप्रैल को दुर्ग में किया जाना था, लेकिन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। अब कांग्रेस ने रैली के लिए नई जगह में कार्यक्रम की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज बिलासपुर के लिए रवाना हो गए हैं। तैयारियों को लेकर शनिवार को एक बैठक भी रखी गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि, संविधान बचाओ रैली का मकसद देश में हो रहे लोकतंत्र पर हमलों, संविधान से छेड़छाड़ और केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज उठाना है। उन्होंने कहा कि, पहलगाम की घटना बेहद दुखद थी। उस माहौल में रैली करना सही नहीं होता। इसलिए हमने उसे टाल दिया। अब हम 8 मई को बिलासपुर में रैली करेंगे। पहले यह रैली दुर्ग जिले में भिलाई के कोसानाला बौद्ध भूमि में होने वाली थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस संगठन ने इसके लिए पूरी तैयारियां कर ली थीं। जिलेभर से कार्यकर्ताओं की जुटान की जा रही थी। मंच, रूट और प्रचार की सारी व्यवस्थाएं तय कर ली गई थीं। लेकिन 13 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के जवान शहीद हो गए। इस वजह से कांग्रेस ने रैली स्थगित कर दी थी। अब पार्टी ने बिलासपुर को नया वेन्यू चुना है। इस रैली में प्रदेश के दिग्गज कांग्रेस नेता शिरकत करेंगे। इसमें भूपेश बघेल, दीपक बैज, टीएस सिंहदेव और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहेंगे। रैली के जरिए कांग्रेस जनता को यह संदेश देना चाहती है कि संविधान को बचाना वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। भूपेश बघेल पहले ही कह चुके हैं कि यह सिर्फ कांग्रेस की नहीं, बल्कि देश के संविधान की लड़ाई है। अब जब नई तारीख और जगह तय हो गई है, कांग्रेस कार्यकर्ता फिर से जोश में जुट गए हैं। कांग्रेस का कहना है कि 'संविधान बचाओ रैली' महज एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जनसंवाद अभियान है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, आर्थिक असमानता और शोषण जैसे मुद्दों पर बातचीत करेंगे। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार लगातार संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को कमजोर कर रही है और जनविरोधी नीतियों के जरिए संविधान की मूल भावना पर हमला कर रही है। इसी अभियान के तहत पार्टी प्रदेश, जिला और विधानसभा स्तर पर रैलियों के बाद घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करेगी।

सीमांकन करने पहुंचे पटवारी पर हमला, ईंट से किया वार

बलरामपुर में पिता-पुत्र के खिलाफ थाने में शिकायत, आंगनबाड़ी भवन बनाने कर रहे थे सीमांकन

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

बलरामपुर जिले के ग्राम जतरो में सीमांकन के लिए गए पटवारी पर पिता-पुत्र ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने ईंट से पटवारी के सिर पर वार किया और जान से मारने की धमकी दी। हमले में पटवारी के सिर पर चोटें आई है। पुलिस ने मामले में पिता-पुत्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। मामला बलरामपुर कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम पंचायत जतरो में आंगनबाड़ी भवन के निर्माण के लिए शासकीय भूमि के सीमांकन की मांग सुशासन तिहार में सरपंच द्वारा की गई थी। सुशासन तिहार में मिले आवेदन के निराकरण के लिए हलका नंबर 22 के पटवारी सुनेश्वर सिंह को जमीन के सीमांकन के लिए शुक्रवार भेजा गया था। पटवारी सुनेश्वर सिंह के साथ में पंचायत सरपंच भी मौके पर पहुंचे थे। पटवारी ने पंचायत में शासकीय भूमि का सीमांकन किया और पंचनामा तैयार कर रहे थे। इस दौरान पिता-पुत्र दुबराज सिंह एवं नंद सिंह ने पटवारी पर हमला कर दिया। दोनों ने ईंट से पटवारी पर हमला किया तो पटवारी के सिर में चोट आई। पिता-पुत्र ने पटवारी को जान से मारने की धमकी दी। हमले के बाद पटवारी को ग्रामीणों ने निकाला एवं वे बलरामपुर पहुंचे। पटवारी सुनेश्वर सिंह का उपचार बलरामपुर जिला अस्पताल में किया गया। हमले की जानकारी मिलने पर पटवारी संघ के सदस्य हॉस्पिटल पहुंचे। अन्य पटवारियों के साथ मामले की शिकायत बलरामपुर थाने में दर्ज कराई गई है।

मरवाही से कोरबा पहुंचा हाथी

पसान में युवक को सूंड से उठाकर पटका, एक दिन पहले मरवाही में भी ली एक की जान

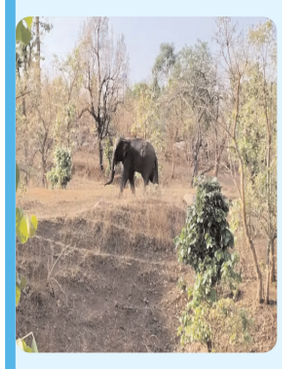

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छीसगढ़ में कोरबा जिले के पसान वन मंडल क्षेत्र में हाथी ने एक और व्यति की जान ले ली। एक दिन पहले बीती रात इस हाथी ने मरवाही वन मंडल में एक व्यति को पटककर जान ले ली थी। अब हाथी मरवाही से कोरबा के पसान वन मंडल पहुच गया है। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। इधर, मृतक 23 वर्षीय रामदयाल टीकम कुहारीसारी गांव का निवासी था। शुक्रवार सुबह घर के पीछे जंगल में शौच के लिए गया था। वापस लौटते समय उसका सामना हाथी से हुआ। हाथी ने उसे सूंड से उठाकर पटक दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जंगल में मौजूद कुछ लोगों ने हाथी को देखा। उन्होंने तुरंत मृतक के परिजनों और गांववालों को सूचना दी। वन विभाग को भी घटना की जानकारी दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को जंगल की ओर जाने से रोका गया। जानकारी के अनुसार, यह वही हाथी है जिसने एक दिन पहले मरवाही वनमंडल में भी एक व्यति को मार डाला था। वहां से यह हाथी कोरबा के पसान क्षेत्र में आ पहुंचा है। इसके अलावा, हाथी ने कटरा ग्राम पंचायत के तुलसीडीहा गांव में घरों के दरवाजे तोड़कर नुकसान भी पहुंचाया है। स्थानीय लोगों में भारी दहशत का माहौल बना हुआ है, योंकि हाथी अब भी आसपास के जंगलों में घूम रहा है। डिप्टी रेंजर ईश्वर प्रसाद के अनुसार, यह वही हाथी है जिसने एक दिन पहले मरवाही वनमंडल में भी एक व्यति की जान ली थी। अब यह हाथी पसान के जंगल में है। वन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। वन विभाग ने हाथी की मौजूदगी को देखते हुए आसपास के गांवों में मुनादी शुरू कर दी है। ग्रामीणों से अपील की जा रही है कि वे जंगल की ओर न जाएं और शाम होते ही घरों में रहें।

3100 में खरीदा धान, 2000 में बेचने की नौबत

पूर्व CM भूपेश बोले- कहने भर को ट्रिपल इंजन सरकार, दिल्ली में नहीं चलती

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों से 3100 रुपए क्विंटल में धान खरीदा, लेकिन अब नीलामी में रेट इतने गिर गए हैं कि 2000 रुपए तक की बोली आ रही है। यानी सरकार को हर क्विंटल पर करीब 1000 रुपए का घाटा उठाना पड़ सकता है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि, प्रदेश में कहने भर को ट्रिपल इंजन सरकार है। असल में छत्तीसगढ़ सरकार की दिल्ली में कुछ नहीं चलती। अगर केंद्र सरकार पूरा धान का चावल उठाती तो नीलामी नहीं करनी पड़ती और प्रदेश को नुकसान नहीं होता। धान नीलामी में घाटे को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी के किसान मोर्चा के प्रभारी और पार्टी प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा, कांग्रेस शासन में घोटाला करने के लिए हाथियों को किसानों की मेहनत का धान खिलाया गया था। अब वही कांग्रेस बीजेपी सरकार की खरीदी व्यवस्था पर सवाल उठा रही है, जो हास्यास्पद है। वहीं, डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3100 रुपए की दर से खरीदा है, ताकि छत्तीसगढ़ के किसानों को खुशहाली और समृद्धि मिले। जरूरत के बाद जो धान बचता है, उसकी नीलामी की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, कांग्रेस को किसानों की चिंता कभी नहीं रही। उनके कार्यकाल में किसानों के साथ सिर्फ अत्याचार हुआ, जबकि आज छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा समर्थन मूल्य पर धान खरीदा जा रहा है। इस पूरी स्थिति पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, "ये कहने भर का ट्रिपल इंजन है। दिल्ली में छत्तीसगढ़ सरकार की कुछ नहीं चलती। बघेल ने ये भी चेतावनी दी कि अगर इसी तरह राज्य को नुकसान होता रहा तो भविष्य में धान खरीदी की पूरी व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है।

1900 से नीचे बोली आई तो फिर से टेंडर

राज्य सरकार ने धान नीलामी के लिए बेस रेट 1900 से 2100 रुपए प्रतिक्विंटल किया है, लेकिन जिलों को अभी तक इसकी आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। मुयालय से आदेश आने के बाद ही आगे की प्रक्रिया तय होगी। अगर बोली 1900 से नीचे आती है, तो फिर से टेंडर निकाला जाएगा या मार्कफेड मुयालय के आदेश से फैसला लिया जाएगा।

नीलामी में धान का रेट गिरा

राज्य में इस बार धान की नीलामी सरकार के लिए घाटे का सौदा साबित हो सकती है। वजह है, केंद्र से चावल का कोटा नहीं बढ़ाया जाना। धान खरीदी का सीजन बीत चुका है, लेकिन अतिरित स्टॉक की वजह से छीसगढ़ सरकार को अब नीलामी करनी पड़ रही है। इस बार दिकत ये है कि नीलामी में अच्छे रेट नहीं मिल रहे। जिलों से आई रिपोर्ट्स बताती हैं कि धान की बोली बाजार रेट से भी कम लग रही है। ऐसे में सरकार को एक ि ंटल पर करीब 1000 रुपए तक का नुकसान हो सकता है। ज्यादातर राइस मिलर्स मंडी के मौजूदा भाव के हिसाब से ही बोली लगा रहे हैं। कुछ ने तो ये भी कहा कि ऑनलाइन नीलामी में धान की ालिटी पता नहीं होती, इसलिए रिस्क से बचने के लिए कम दाम की बोली लगाई जा रही है।हालांकि मांग करने पर मिलर्स को सैंपल देने की व्यवस्था है, लेकिन गर्मी के मौसम में धान की नमी खत्म होने लगती है, जिससे मिलिंग के दौरान चावल टूटने की संभावना बढ़ जाती है। यही वजह है कि खरीदार कम दाम पर ही सौदा कर रहे हैं।

महिला टीचर ने बदला धर्म, मुस्लिम युवक से किया निकाह

दोनों पहले से शादीशुदा, दो-दो बच्चे भी,गौरेला में हिंदू संगठन का विरोध में नगर बंद

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के गौरेला में शादीशुदा हिंदू महिला ने धर्म बदलकर शादीशुदा मुस्लिम युवक से निकाह करने का मामला सामने आया है। यह निकाह 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के दिन हुआ। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर मुस्लिम युवक से निकाह किया। इसे लेकर हिंदू संगठनों ने विरोध जताया और शुक्रवार को 2 मई को गौरेला में पूर्ण बंद रखा। इस दौरान सर्व हिंदू समाज के सदस्यों ने रैली निकाली और प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। स्थानीय व्यापारियों ने भी इस बंद का समर्थन करते हुए अपनी दुकानें बंद रखीं। दरअसल, यह घटना 30 अप्रैल की है, जब अक्षय तृतीया के दिन शादीशुदा महिला ने गौरेला के रहने वाले शादीशुदा मुस्लिम युवक से निकाह कर लिया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। निकाह से पहले महिला ने इस्लाम धर्म अपनाया और फिर पारंपरिक रीति-रिवाजों से शादी की। महिला सरकारी स्कूल में टीचर है, जबकि मुस्लिम युवक गाड़ी मैकेनिक है। मामला सामने आते ही हिंदू संगठनों ने इसका विरोध किया। बुधवार को उन्होंने इसे लेकर एक बैठक बुलाई। संगठनों ने घटना को लव जिहाद करार देते हुए 2 मई को गौरेला बंद का आह्वान किया। इसके तहत गुरुवार को नगर की अधिकांश दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे। इस दौरान इलाके की ज्यादातर दुकानें पूरी तरह बंद रहीं। सर्व हिंदू समाज के नेतृत्व में एक रैली निकाली गई। रैली नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी और तहसील कार्यालय पहुंची। यहां संगठनों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए घटना की निंदा की और कार्रवाई की मांग की। इधर, प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरती जा रही है।

40 साल से डायबिटीज, लेकिन हार नहीं मानी

दुबई में वेटलिफ्टिंग में हुनर दिखाया, डॉक्टर ने घुटने बदलवाने बोला था, 100 मैडल जीते

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

मनेंद्रगढ़ जिले की 67 वर्षीय कमला देवी मंगतानी ने भारत का नाम रोशन किया है। उन्होंने दुबई में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय खेल समारोह में तीन गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने वेटलिटिंग में ये जीत हासिल की। कमला देवी पिछले 40 सालों से डायबिटीज से जूझ रही हैं। एक समय था जब उन्हें बैसाखी का सहारा लेना पड़ता था। डॉटरों ने उन्हें घुटना बदलने की भी बात कह दी थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने न सिर्फ बैसाखी छोड़ी, बल्कि खुद को फिट करने का संकल्प लिया। पिछले पांच सालों से वे नियमित रूप से जिम जाती हैं। जिम से ही उन्होंने वेटलिटिंग सीखी। उनकी मेहनत का नतीजा है कि वे अब तक 100 से अधिक गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं। दुबई में उन्होंने स्विमिंग, वेटलिटिंग, तवा फेंक और गोला फेंक में भाग लिया। कमला देवी की उपलधियों में राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के मेडल शामिल हैं। दुबई में आयोजित प्रतियोगिता में दुनियाभर के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इस मुकाबले में कमला देवी ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। यह प्रतियोगिता 22 से 28 अप्रैल 2025 के बीच दुबई स्पोर्ट्स काउंसिल के सहयोग से आयोजित की गई। कमला देवी ने बताया कि खेल प्रतियोगिता में पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया देश के खिलाड़ी भी पहुंचे थे। उसके अलावा भारत के अलग-अलग राज्यों से भी करीब 200 प्रतिभागी आए थे। राजनांदगांव जिले के 3 खिलाड़ी शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि दुबई से उन्हें निमंत्रण आया था, दुबई खूब साफ सुथरा शहर है। जिस उम्र में लोग छड़ी लेकर बैठ जाते है उस उम्र में कमली देवी ने वेटलिटिंग में इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। प्रतियोगिता में एख 82 साल की महिला भी आई थी।

रायपुर में युवक को पुलिसकर्मियों ने लाठी-डंडों से पीटा

रिश्तेदार की भी पिटाई, हाथ-पैर फ्रैक्चर, पीड़ित बोला- नशे में थे जवान, भद्दी-भद्दी गालियां दी

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में पुलिसकर्मियों ने एनिवर्सरी के दिन एक युवक की जबरन पिटाई कर दी। जिससे उसका हाथ टूट गया। जबकि उसके मामा के हाथ, दोस्तों के पैर और पसलियों में चोटें आई हैं। पीड़ित का कहना है, कि मारपीट के दौरान पुलिस वाले नशे में थे। उन्होंने गालियां भी दी। पीड़ित लक्ष्मण कौशल ने बताया कि, वो तरुण बाजार संतोषी नगर के पास रहता है। 30 अप्रैल को उनकी शादी की सालगिरह थी, तो परिवार के लोग खाने पर आए थे। रात करीब साढ़े 11 बजे खाने के बाद वो अपने रिश्तेदार और दोस्त के साथ घर के बाहर दरवाजे पर बैठा था। टिकरापारा थाना से तीन-चार पुलिस वाले आए। इनमें से एक पुलिस वाले ने नाम पूछा। वह नाम बता ही रहा था, तभी दूसरे ने लाठी-डंडे से पीटना शुरू कर दिया। इस घटना का सीसीटीवी ऑडियो-वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि दो पुलिस वाले युवकों पर पूरी ताकत से लाठी चला रहे हैं। इस दौरान वे गालियां भी देते रहे। मौजूद लड़के बता रहे हैं कि उनका घर यहीं पर है। इसके बाद भी पुलिस वाले उन्हें जबरन पीट रहे हैं। युवक लगातार पुलिसवालों के सामने माफ करके छोड़ने की बात कह रहे हैं। लक्ष्मण का कहना है कि, जब उन्होंने पुलिस वालों को कहा कि वह अधिकारियों से शिकायत करेगा। तो उसे जाति सूचक गालियां दी गई। साथ ही जबरन झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। लक्ष्मण का कहना है कि इस घटना के बाद अब दोषी पुलिसकर्मी अलग-अलग तरह से संपर्क करके शिकायत नहीं करने का दबाव बना रहे हैं। लिस वालों की पिटाई में लक्ष्मण का हाथ फैचर हो गया। इसके अलावा उसके मामा के हाथ, उसके दो दोस्तों के पसली और पैरों में चोटें आई हैं। इस मामले में पीड़ित परिवार ने SSP से भी शिकायत की है। उन्होंने दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई करके न्याय की मांग की है।

जातिसूचक गाली देने का भी आरोप

युवक लगातार पुलिसवालों के सामने माफ करके छोड़ने की बात कह रहे हैं। लक्ष्मण का कहना है कि, जब उन्होंने पुलिस वालों को कहा कि वह अधिकारियों से शिकायत करेगा। तो उसे जाति सूचक गालियां दी गई। साथ ही जबरन झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई। लक्ष्मण का कहना है कि इस घटना के बाद अब दोषी पुलिसकर्मी अलग-अलग तरह से संपर्क करके शिकायत नहीं करने का दबाव बना रहे हैं।

रायपुर में बुजुर्ग महिला से गला दबाकर लूट

लिफ्ट के बहाने ले जाकर दिया वारदात को अंजाम, कंगन और सोने की बालियां छीनीं

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

रायपुर में 85 साल की बुजुर्ग महिला से गला दबाकर लूट हुई है। बदमाश ने महिला को लिफ्ट देने के बहाने सुनसान इलाके में ले गया। फिर वहां गला दबाया जिससे महिला बेहोश हो गई। तो उसने महिला के हाथों के सोने के कंगन और कान की बालियां लूट ली। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। महिला को जब होश आया तो उसने जैसे-तैसे घर पहुंचकर परिवार के लोगों को बताया। ये वारदात आमानाका थाना इलाके की है। दुर्गादास लालवानी ने पुलिस को बताया कि वह टाटीबंध के लालवानी हाइट्स में रहता है। 27 अप्रैल की सुबह 9.30 बजे उसके साथ उनकी सास ईशा बाई खेत्रपाल टाटीबंध स्थित गुरुद्वारा गई थीं। वहां से जब वह वापस लौट रही थीं तो जीवन ज्योति अस्पताल के पास मेहरून रंग की एक्टिवा में युवक आया। उसने महिला को लिफ्ट देकर घर छोड़ने की बात कही। ईशा बाई उसकी गाड़ी में बैठ गईं। बदमाश महिला को घर ना ले जाकर नंदनवन रोड की तरफ ले गया। फिर वहां सुनसान जगह पर झाड़ियों में धक्का दे दिया। झाड़ियों में गिरने के बाद आरोपी महिला का गला दबाने लगा, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसने महिला के हाथ के सोने के कंगन और कान की बाली को खींच लिया। कुछ देर बाद महिला को जब होश आया तो वह जैसे-जैसे ऑटो से घर पहुंची। उन्होंने परिवार के लोगों को पूरा किस्सा बताया। फिलहाल, इस मामले में आमानाका पुलिस आसपास इलाकों के सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है। जिससे आरोपी की पहचान हो सके।

रॉन्ग साइड आकर कार ने बाइक को टक्कर मारी...3 मौतें

मृतकों में पति-पत्नी और 3 महीने का मासूम, बच्चे का इलाज कराने जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

सरगुजा जिले में एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मारी दी, हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। नेशनल हाइवे-43 अंबिकापुर-रायगढ़ मेन रोड पर शुक्रवार सुबह हादसा हुआ। पति-पत्नी के साथ उनके 3 महीने का बच्चा भी था जिसने दम तोड़ दिया। मामला सीतापुर थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव का है। मृतक दंपती अपने बच्चे के निमोनिया के इलाज के लिए अंबिकापुर के लिए निकले थे। टक्कर के बाद तीनों उछलकर अलग-अलग दिशा में दूर जा गिरे। वहीं बाइक के परखच्चे उड़ गए। पुलिस के मुताबिक, कार ड्राइवर नशे में था, गाड़ी में 4 लोग सवार थे, उन्हें मामूली चोट आई है। बेकाबू कार ने रॉन्ग साइड आकर उनकी बाइक को टक्कर मारी और डॉ. संतोष टोप्पो के घर में जा घुसी। घायलों का सीएचसी सीतापुर इलाज जारी है। मृतकों में सुनील लकड़ा 35 , अस्मतिया 28 और उनका तीन माह का बच्चा शामिल है। परिजनों ने बताया कि तीन माह के बच्चे को निमोनिया हो गया था, जिसके इलाज के लिए दंपती बच्चे को लेकर अंबिकापुर जाने के लिए निकले थे। मृत दंपती के दो और बच्चे हैं। इनमें इंदु 8 साल और चंदू 6 साल के हैं। दोनों बच्चों को घर में परिजन के पास छोड़कर पति-पत्नी अंबिकापुर जाने के लिए निकले थे। कार को आमाटोली निवासी संतोष पैकरा चला रहा था। उन्हें भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीतापुर में दाखिल किया गया है। हालांकि कार सवारों को गंभीर चोट नहीं आई है। घटना के बाद डायल 112 की टीम ने तीनों को सीतापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। कार सवार घायलों में रजोटी की रहने वाली अंजली तिर्की 20 मैनपाट की सुशीला खिंचा 20 निऔर भटको की रहने वाली खूशबू पोर्ते 20 शामिल हैं। तीनों उद्यानिकी कॉलेज आमाटोली की छात्राएं हैं। अंजली और सुशीला दोनों अपनी सहेली के साथ खुशबू पोर्ते के घर गई थीं। शुक्रवार को कॉलेज में प्रैक्टिकल की परीक्षा में शामिल होने के लिए तीनों बतौली बस स्टैंड पहुंचे और बस का इंतजार कर रहे थे। उसी समय कार चालक संतोष पैकरा वहां कार लेकर पहुंचा। उसने छात्राओं को अपने साथ बैठा लिया। एक छात्रा चालक को पहचानती थी। छात्राओं ने बताया कि चालक संतोष पैकरा नशे में धुत था। उन्होंने सेदम में तीनों को उतारने के लिए भी कहा, लेकिन वह नहीं माना। चालक कार को तेज रफ्तार में चला रहा था, जिसके कारण हादसा हुआ। हादसे में कार का एयरबैग खुल गया, जिससे चालक को चोटें नहीं आईं। छात्राओं के सिर और सीने में चोटें आई हैं। सीतापुर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी डॉक्टर नरेंद्र को बिलासपुर कोर्ट में किया गया पेश

1 दिन की पुलिस रिमांड पर, पूर्व स्पीकर सहित 8 की इलाज से गई जान

मीडिया ऑडीटर(निप्र)
Mediaauditor.in

छत्तीसगढ़ के फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट नरेंद्र विक्रमादित्य यादव बिलासपुर कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के बाद पुलिस को एक दिन की रिमांड मिली है। फर्जी डिग्री और बिलासपुर में मरीजों के इलाज के संबंध में आरोपी से पूछताछ होगी। जांच और पूछताछ के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है। इससे पहले को फर्जी डॉक्टर को पुलिस की टीम दमोह जेल से प्रोडक्शन वारंट लेकर बिलासपुर पहुंची थी। दमोह में 7 मरीजों की जान लेने वाले डॉक्टर के इलाज से छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पं राजेंद्र प्रसाद शुक्ल की भी मौत हुई थी। नरेंद्र विक्रमादित्य अपोलो अस्पताल में भी पदस्थ रहे। इस दौरान उनके गलत इलाज से कई मरीजों की जान चली गई। वारंट पर लाई पुलिस पूछताछ कर इसकी जानकारी जुटाएगी। बता दें कि जांच में डॉक्टर की ष्ठरू कार्डियोलॉजी की डिग्री फर्जी पाई गई थी। पुलिस के मुताबिक, फर्जी डॉक्टर से पूछताछ के बाद अपोलो अस्पताल प्रबंधन के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी और तुरंत गिरफ्तारी होगी। वहीं, आज जिला कांग्रेस कमेटी इसे लेकर अपोलो अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ न्याय यात्रा निकालेगी। दरअसल, दमोह के मिशन अस्पताल में 7 हार्ट पेशेंट की मौत का मामला सामने आने के बाद फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर एन जॉन केम उर्फ विक्रमादित्य यादव का कारनामा उजागर हुआ। छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पं राजेंद्र प्रसाद शुक्ल के पुत्र डॉ प्रदीप शुक्ल ने उसके और अपोलो अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ पूरे मामले की शिकायत की। उन्होंने बताया कि उनके पिता पं. राजेंद्र प्रसाद शुक्ल को सांस लेने में समस्या होने पर दो अगस्त 2006 को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनके पिता की मौत हो गई।

भारत ने पाकिस्तानी पीएम शरीफ का यूट्यूब चैनल ब्लॉक किया

पहलगाम/नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच भारत ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ का ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट ब्लॉक कर दिया। इसके अलावा क्रिकेटर बाबर आजम, हारिस रऊफ, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी के इंस्टाग्राम अकाउंट भी बंद कर दिए हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीडब्ल्यूसी की मीटिंग में कहा कि हमले पर सरकार की रणनीति साफ नहीं है, जबकि पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। इस बीच, पाकिस्तान ने 2 दिन बाद वाघा बॉर्डर खोल दिया है। 30 अप्रैल से बॉर्डर बंद कर दिया था। इसके बाद कई पाक नागरिक स्वदेश नहीं लौट पाए थे। आज 21 पाक नागरिकों को देश लौटने की इजाजत दी गई। ये लोग वीजा सस्पेंड होने के बाद भारतीय सीमा में फंसे थे। पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल को आतंकियों की गोलीबारी में 26 टूरिस्ट की मौत हो गई थी।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बादल फटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन में शुक्रवार को बादल फट गया। सड़क पर मडस्लाइडिंग (कीचड़) के चलते जम्मू-श्रीनगर हाईवे (ह्॥-44) दोनों तरफ से बंद कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों ने अपील की है कि हाईवे क्लियर हुआ या नहीं, सोशल मीडिया पर इसका स्टेटस चैक करके ही निकलें। इससे पहले दिल्ली-एनसीआर यूपी और छत्तीसगढ़ में गुरुवार रात आंधी-बारिश और बिजली-पेड़ गिरने की घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली, उत्तर प्रदेश में 4-4 और छत्तीसगढ़ में 2 लोगों ने जान गंवाई है। दिल्ली-एनसीआर के निचले इलाकों में जलभराव हो गया। दिल्ली एयरपोर्ट से 200 से ज्यादा फ्लाइट्स डिले हो गई हैं। 3 को डायवर्ट भी करना पड़ा। 2 को जयपुर और एक अहमदाबाद में लैंड करवाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेट करने वाली कंपनी दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने कहा कि फ्लाइट ऑपरेशन नॉर्मल है। दिल्ली एयरपोर्ट से रोज करीब 1,300 उड़ानों की आवाजाही होती है। इससे पहल गुरुवार को पश्चिम बंगाल के संदकफू में ताजा बर्फबारी हुई। जम्मू में भारी बारिश हुई जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

दिल्ली में तूफानी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में शुक्रवार सुबह तीन घंटे में करीब 3 इंच बारिश हुई। तेज हवा चलने से विमानों के उड़ान भरने में दिक्कत आई। 200 से ज्यादा फ्लाइट्स में देरी हुई। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 की टीन शेड टूटकर गिर गई। वहीं लुटियंस इलाके में करीब 25 से ज्यादा पेड़ गिरे। पेड़ गिरने से गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा। कुछ गाड़ियां पेड़ की जड़ और टहनी में हवा में लटक गईं। नजफगढ़ में एक घर गिरने से चार की मौत हो गई।

एक मंच पर मोदी-थरूर और सीएम विजयन,पीएम बोले- यह इवेंट कई लोगों की नींद हराम कर देगा

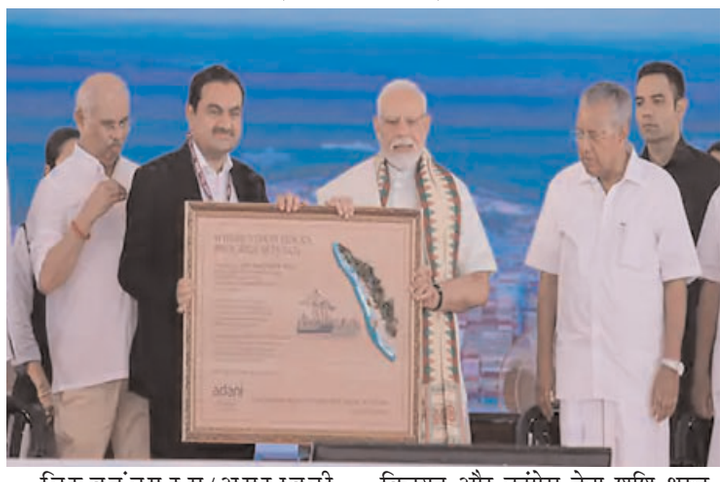

तिरुवनंतपुरम/अमरावती (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एक दिन के केरल-आंध्र प्रदेश के दौरे पर थे। केरल के कार्यक्रम में पीएम के साथ मंच पर ष्टरूपिनराई विजयन और कांग्रेस नेता शशि थरूर मौजूद थे। इस पर पीएम ने कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि आप इंडिया गठबंधन के मजबूत स्तंभ हैं। शशि थरूर भी यहां बैठे हैं। आज का यह कार्यक्रम कई लोगों की नींद हराम कर देगा। कार्यक्रम में पीएम के भाषण को ट्रांसलेट करने वाले इसे सही ट्रांसलेट नहीं किया। इस पर पीएम ने कहा- जहां मैसेज जाना था चला गया। पीएम के तंज पर कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा- पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद भी हमारे पीएम असली खतरे पाकिस्तान का सामना करने के बजाय विपक्षी नेताओं की नींद में खलल डालने पर अड़े हुए हैं। उन्होंने कहा- पीएम की प्राथमिकताएं बिल्कुल साफ हैं, अपने असली मालिक- अडाणी को खुश करना, लेकिन पीएम बेफिक्र रहें जब आप अपने कामों में व्यस्त होंगे, तब हमारी रातों की नींद आपको जवाबदेह ठहराने में ही बीत जाएगी।

कलिंगा यूनिवर्सिटी में नेपाली छात्रा का शव मिला

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में गुरुवार को एक नेपाली स्टूडेंट अपने कमरे में पंखे से लटकी मिली। स्टूडेंट की पहचान प्रसा साहा (18 साल) के रूप में हुई है। वह बीटेक साइंस की थी। स्टूडेंट की मौत पर के आई आई टी अधिकारियों की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की। पुलिस कमिश्नर एस देव दत्ता सिंह ने बताया कि स्टूडेंट की मौत के बारे में दिल्ली में नेपाली दूतावास को सूचना दे दी गई है। प्रसा के माता-पिता को भी इसकी जानकारी दे दी गई है। वे शुक्रवार को भुवनेश्वर पहुंचेंगे। इसके बाद ही पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। नेपाल की विदेश मंत्री अर्जुना राणा देउबा ने एक्स पर लिखा कि प्रीसा की

मौत की सच्चाई जानने के लिए भारत और ओडिशा सरकार के साथ बातचीत जारी है। इससे पहले फरवरी में भी केआईआईटी में एक अन्य नेपाली स्टूडेंट प्रकृति लामसाल ने भी आत्महत्या कर ली थी।

अहमदाबाद में व्हेल मछली की उल्टी बेचने वाले पकड़ाए

अहमदाबाद। अहमदाबाद सिटी क्राइम ब्रांच ने स्पर्म व्हेल की उल्टी यानी एम्बरग्रीस के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दुर्लभ और बहुमूल्य पदार्थ की मात्रा 2.904 किलोग्राम है, जिसका अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित मूल्य 2.90 करोड़ रुपए है। कचरा बीनने का काम करने वाले मोहम्मद हनीफ को यह उल्टी मिली थी। भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत शुक्राणु व्हेल को संरक्षित प्रजाति के रूप में सूचीबद्ध किया गया है और उनका व्यापार अवैध है। क्राइम ब्रांच ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आमिर शेख को सूरत से अहमदाबाद से गिरफ्तार किया था। उसके मोबाइल फोन पर स्पर्म व्हेल की उल्टी (एम्बरग्रीस) का वीडियो मिला था। क्राइम ब्रांच ने जांच की तो पता चला कि दमण के रहने

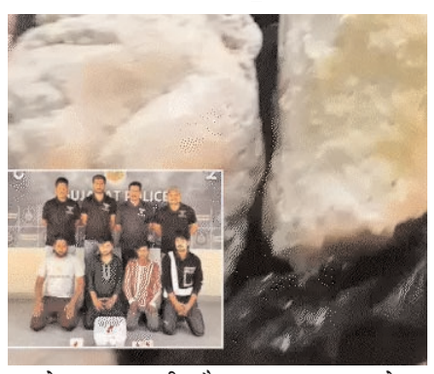

वाले सहादत अली और सूरत का उस्मान शेख ने कमीशन के जरिए आमिर और उसके साथियों से एम्बरग्रीस बेचने की बात कही थी। इसी आधार पर वे एक गिरोह के जरिए एम्बरग्रीस बेचने की कोशिश कर रहे थे।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

देहरादून (एजेंसी)। केदारनाथ धाम के कपाट शुक्रवार को खोल दिए गए। कपाट खुलते ही भक्तों ने मंदिर के अंदर जलती अखंड ज्योति के दर्शन किए। इसके बाद रुद्राभिषेक, शिवाष्टक, शिव तांडव स्तोत्र और केदाराष्टक के मंत्रों का जाप किया गया। मंदिर में सबसे पहले कर्नाटक के वीरशैव लिंगायत समुदाय के मुख्य रावल भीमशंकर पहुंचे। इसके बाद बाबा पर 6 महीने पहले चढ़ाया गया भीष्म शृंगार हटाया गया। दैनिक भास्कर एप पर आप केदारनाथ धाम के लाइव दर्शन कर सकते हैं। मंदिर को 54 किस्म के 108 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। इसमें नेपाल, थाईलैंड और श्रीलंका जैसे विभिन्न देशों से लाए गए गुलाब और गेंदा के फूल शामिल हैं। पहले दिन करीब 10 हजार लोग दर्शन के लिए पहुंचे। भीड़ मैनेज करने के लिए टोकन सिस्टम से दर्शन करवाए जा रहे हैं। भक्त अब अगले 6 महीने तक दर्शन कर

सकेंगे। जून से अगस्त के बीच मौसम ठीक रहा तो इस बार 25 लाख से ज्यादा लोगों के केदारनाथ धाम पहुंचने का अनुमान है। 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) से चारधाम यात्रा शुरू हो चुकी है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुल गए हैं। बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खोले जाएंगे।

अटारी बॉर्डर पर फंसे पाक नागरिकों के लिए खुला गेट

अमृतसर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पैदा हुए तनाव में पाकिस्तान ने एक बार फिर गेट को अपने नागरिकों के लिए खोल दिया है। बीते दिन, गुरुवार, पाकिस्तान ने गेटों को नहीं खोला था, जिसके चलते पाकिस्तानी नागरिक, जो पाक जाने के लिए अटारी बॉर्डर पहुंचे थे, वे फंस गए थे। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर बयान भी जारी किया है।

हरियाणा सरकार ने जल विवाद पर सर्वदलीय बैठक बुलाई

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार की तरफ से भाखड़ा नहर का पानी रोकने के विवाद के बीच हरियाणा सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुला ली है। बैठक कल, 3 मई को चंडीगढ़ स्थित हरियाणा भवन में होगी। इसकी अध्यक्षता मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। उधर, शुक्रवार को दिल्ली में भाखड़ा ब्यास बोर्ड मैनेजमेंट के अधिकारियों की पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिव से मीटिंग में पानी देने को लेकर सहमति नहीं बनी। मीटिंग में पंजाब 4 हजार क्यूसेक पानी ही देने को तैयार हुआ, जबकि हरियाणा ने 8500 क्यूसेक पानी की मांग की। अब हरियाणा सरकार इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाएगी। हम अपने पानी के हक के लिए सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं। हम इसको लेकर याचिका दायर करेंगे। संभावना है कि आज याचिका दाखिल कर दी जाए। आगे छुट्टियां है, इसलिए हम कोशिश कर रहे हैं कि जल्द इस पर फैसला हो जाए। इससे पहले, दिल्ली में ही केंद्रीय गृह मंत्रालय की पंजाब, हरियाणा, हिमाचल और राजस्थान के अधिकारियों से मीटिंग हुई। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने पंजाब और हरियाणा को इस मामले में जिद छोड़ने को कहा। साथ ही हरियाणा को पानी की जरूरत को लेकर बीबीएमबी के पास तर्क पेश करने को कहा। सूत्रों के मुताबिक गृह सचिव ने कहा कि यदि हरियाणा की अतिरिक्त पानी की मांग में वजन हुआ, तो हरियाणा बिना शर्त के जरूरत के मुताबिक पंजाब से उधार पानी ले लेगा और पंजाब को जरूरत पड़ने पर हरियाणा को यह पानी वापस करना पड़ेगा। वहीं पंजाब की आप सरकार ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में 2 घंटे तक ऑल पार्टी मीटिंग की।

पहले नेवी चीफ की बेटी की हिमांशी को चिट्ठी

करनाल (एजेंसी)। पहलगाम हमले में मारे गए हरियाणा के करनाल के नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी के लिए देश के पहले भारतीय मूल के नौसेना प्रमुख एडमिरल रामदास कटारी की बेटी ललिता ने भावुक पत्र लिखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह पत्र पोस्ट किया गया है। पत्र में ललिता ने हिमांशी के लिए लिखा- मैं आप पर बहुत गर्व महसूस करती हूं, मैं प्रेस को दिए आपके शब्दों की क्लिप को बार-बार देखती हूं। आपने जिस हिम्मत से नफरत के खिलाफ आवाज उठाई वह प्रेरणादायक है। पत्र में ललिता ने हिमांशी को आदर्श फौजी पत्नी बताया। उन्होंने कहा कि उनका प्रेम और करुणा का संदेश पूरे देश में पहुंचना चाहिए। ललिता ने पत्र में लिखे भावुक शब्दों से विनय की पत्नी हिमांशी को न सिर्फ सलामी दी, बल्कि उन्हें हर विचारशील नागरिक की आवाज भी बताया।

बंगाल सरकार के नए मंदिर जगन्नाथ धाम को लेकर विवाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर ओडिशा में विरोध शुरू हो गया है। पुरी जगन्नाथ मंदिर के पंडितों, सेवकों, विद्वानों, कलाकारों और शोधकर्ता मंदिर का नाम जगन्नाथ धाम रखने पर आपत्ति जता रहे हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 30 अप्रैल को पूर्वी मेदिनीपुर जिले के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर का उद्घाटन किया था। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने मंदिर को जगन्नाथ धाम नाम दिया। ओडिशा के लोगों ने मंदिर बनाने का समर्थन किया, लेकिन नाम पर एतराज जताया। उनका कहना है कि जगन्नाथ धाम सिर्फ पुरी में है, अन्य मंदिर को यह नाम देना हिन्दू मान्यताओं-परंपराओं के खिलाफ है। सैंड आर्टिस्ट पद्म श्री सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी को चिट्ठी लिखकर पश्चिम बंगाल सरकार से बात करने का आग्रह किया है।

पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने से भारतीय एयरलाइन्स को घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी एयर स्पेस बंद होने से भारतीय एयरलाइनों को हर महीने करीब 306 करोड़ रुपए से ज्यादा एक्स्ट्रा खर्च करने पड़ सकते हैं। उधर, एअर इंडिया ने अनुमान लगाया है कि अगर एक साल तक एयरस्पेस बंद रहता है तो उसे 600 मिलियन डॉलर यानी करीब 5081 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। इससे निपटने के लिए एयरलाइन ने सरकार को वित्तीय मदद करने का सुझाव दिया है। एयरलाइनों ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी एयरस्पेस बंद होने के असर पर सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को अपने इनपुट और सुझाव दिए हैं। मंत्रालय ने इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए कुछ दिन पहले एयरलाइन्स के साथ बैठक की थी और स्थिति से निपटने के लिए उनके सुझाव मांगे थे। वहीं, डीजीसीए ने एयर इंडिया को राहत देते हुए अपने पायलटों की ड्यूटी समय बढ़ाने और आराम के नियमों में बदलाव की इजाजत दी है। पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना एयरस्पेस 24 अप्रैल को और भारत ने पाकिस्तानी विमानों के लिए अपना एयरस्पेस 30 अप्रैल को बंद कर दिया था। एयर इंडिया को अपने पायलटों की ड्यूटी समय बढ़ाने और आराम के नियमों में बदलाव की इजाजत मिली है। यह छूट भारत के विमानन विभाग ने दी है ताकि पाकिस्तान के हवाई रास्ते बंद होने की वजह से उड़ानों में परेशानी न हो। यह नियम 30 अप्रैल से दो हफ्तों तक लागू रहेगा

जनगणना- 2011 की गलती दोहराना नहीं चाहती केंद्र सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब तक कुल 8 बार जातीय जनगणना हुई है। 1872 से 1931 के बीच 7 बार ब्रिटिशकाल में और एक बार 2011 में आजाद भारत में। हालांकि, 2011 की जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। जातीय जनगणना की घोषणा के साथ ही सरकार ने इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा बनानी भी शुरू कर दी है। वर्ष 2011 की जातीय जनगणना में जो गलती हुई थी, केंद्र सरकार इस बार उसे दोहराना नहीं चाहती। तब सरकार ने जातियों की पहले से कोई सूची नहीं बनाई थी, जिसने अपनी जो भी जाति बताई, उसे ही दर्ज करते गए। नतीजा ये हुआ कि 46 लाख से भी ज्यादा जातियां दर्ज हो गईं। इस बार सरकार 1931 में ?गिनी गई करीब 4 हजार जातियों/उपजातियों को आधार बनाकर पहले से ही सूची तैयार करेगी। एससी/एसटी/ओबीसी आयोग की मदद से सूची तैयार की जाएगी। फिर कर्मचारी यही सूची लेकर घर-घर जाएंगे और इसमें दर्ज जातियों में से ही जाति चुनेंगे। जनगणना महापंजीयक का बजट भी बढ़ाने की संभावना है, जो इस साल घटकर 574.80 करोड़ रु. रह गया था। बता दें 2011 की सामाजिक आर्थिक जातीय जनगणना पर 4,389 करोड़ रु. खर्च हुए थे।

रोहतक में संदीप हुड्डा बोले-नरेश टिकैत माफी मांगें

रोहतक (एजेंसी)। रोहतक में भाजपा के वरिष्ठ नेता संदीप हुड्डा ने किसान नेता नरेश टिकैत द्वारा दिए गए बयान की निंदा की और तुरंत प्रभाव से देशवासियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। नरेश टिकैत ने पहलगाम की दर्दनाक घटना को लेकर बयान दिया है, जिसको लेकर भाजपा नेताओं में रोष है। संदीप हुड्डा ने कहा कि नरेश टिकैत को पाकिस्तान के पक्ष में बयान देते समय शर्म आनी चाहिए थी कि वो केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तान का पानी रोकने के निर्णय पर प्रश्नचिह्न लगाकर पाकिस्तान के पक्ष में बोल रहे हैं। पहलगाम घटना के बाद जब पूरा देश एकजुट होने की बात कर रहा है तो नरेश टिकैत द्वारा दिया गया बयान ऐसा लगता है, जैसे वे पाकिस्तान के सबसे बड़े हमदर्द हों। संदीप हुड्डा ने कहा कि पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 28 पर्यटकों की निर्मम हत्या के बाद पूरा देश आक्रोशित है। देश की जनता एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पाकिस्तान को करारा जवाब देने की बात कर रही है। नरेश टिकैत को देश की जनता की भावनाओं के साथ खेलने का कोई अधिकार नहीं है।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल हेराल्ड मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया और राहुल गांधी को नोटिस दिया। कोर्ट में मामले की दूसरी सुनवाई हुई थी।

कोर्ट ने मामले में सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, मेसर्स यंग इंडिया और मेसर्स डोटेक्स मर्केंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को भी नोटिस दिया है। किसी भी स्तर पर बात सुने जाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई में जान फूंकता है। मामले की अगली सुनवाई

अब 8 मई को होगी। 25 अप्रैल को कोर्ट ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि आरोपियों का पक्ष सुने बिना हम नोटिस जारी नहीं कर सकते। स्पेशल जज विशाल गोगने ने प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर 25 अप्रैल को पहली सुनवाई की थी। उन्होंने कहा, ईडी की चार्जशीट में कुछ डॉक्यूमेंट्स भी गायब हैं। उन डॉक्यूमेंट्स को दाखिल करिए।

आईएसएसएफ निशानेबाज विश्व कप आठ जून से, भाकर और स्वप्निल से रहेंगी उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले अगले माह आठ जून से शुरू होने वाले आइएसएसएफ राइफल/पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार रहेंगे। भाकर और कुसाले को 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने भाकर को दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में शामिल किया है। वहीं पुरुष एयर राइफल में संदीप सिंह को भी जगह मिली है। कुसाले और संदीप पेरिस खेलों में भाग लेने के बाद पहली बार किसी स्पर्धा में खेलते दिखेंगे। भारतीय राइफल और पिस्टल टीम ने हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो-चरण वाले संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप में बेहत प्रदर्शन किया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। टीम ने इसमें कुल छह स्वर्ण सहित 15 पदक जीते थे। भारतीय टीम अर्जेंटीना में दूसरे जबकि पेरू में तीसरे स्थान पर थी। उस इस टीम के कुल 13 सदस्यों को म्यूनिख जाने वाली इस विश्वकप टीम में भी शामिल किया गया है। इसमें महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) और 25 मीटर पिस्टल प्रतियोगिताओं में कोई बदलाव नहीं हुआ है। म्यूनिख के लिए चयनित टीम में तीन नए खिलाड़ी भी रहेंगे।

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खेलेगी 12 टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने 2026 में होने वाले महिलाओं के टी20 वर्ल्ड कप की घोषणा कर दी है। 1 मई को किए ऐलान में आईसीसी ने बताया कि टूर्नामेंट में पहली बार 12 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल मुकाबले का वेन्यू भी तय कर दिया है। उसने बताया कि टूर्नामेंट का फाइनल 5 जुलाई को लॉर्ड्स पर खेला जाएगा। लॉर्ड्स पर इससे पहले 2017 में हुए महिलाओं के वनेड वर्ल्ड कप का फाइनल भी खेला गया था।

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन इंग्लैंड की मेजबानी में होगा। टूर्नामेंट 12 जून से शुरू होकर 5 जुलाई तक चलेगा। वहीं पहली बार इसमें 12 टीमें हिस्सा लेती दिखेंगी। जिसमें से 8 टीमें डायरेक्ट क्वालिफाई करने वाली होंगी। वहीं 4 टीमें क्वालिफिकेशन के जरिए टिकट कटाने वाली होंगी। 24 दिनों तक चलने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में कुल 33 मैच खेले जाएंगे।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में महिलाओं के मैच इंग्लैंड के 7 मैदानों में खेले जाएंगे। इनमें लॉर्ड्स, ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एजबेस्टन, हैम्पशर बाउल, द ओवल और ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड शामिल हैं।

टूर्नामेंट में जिन 12 टीमों को खेलना है उनसे से 8 डायरेक्ट क्वालिफिकेशन वाली टीमों के नामों पर मुहर लग चुकी है। जिन 8 टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है उनमें मेजबान इंग्लैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया, भारत,न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका, वेस्टइंडीज, पाकिस्तान और श्रीलंका के नाम हैं। बाकी 4 टीमों के नामों पर मुहर इस साल होने वाले क्वालिफायर मुकाबले के बाद लगेंगे।

वहीं आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप को चेंजिंग मूमेंट करार दिया है। इसके पीछे की वजह ये है कि पहली बार महिला टी20 वर्ल्ड कप में 12 टीमें खेलती दिखेंगी। आईसीसी के मुताबिक जल्दी ही टूर्नामेंट का पूरा शेड्यूल भी अनाउंस किया जाएगा।

रॉयल्स के खिलाफ सभी ने अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निभाई-पंड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मिली बड़ी जीत के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या उत्साहित हैं पर उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए किसी एक को श्रेय नहीं दिया जा सकता। कप्तान ने कहा है कि इस मैच में उनकी टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनो ने ही अपनी-अपनी जिम्मेदारी बेहतर तरीके से निभाई है।

पंड्या की कप्तानी में खेल रही मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 217 रन बनाए और इसके बाद 100 रनों से मैच जीत लिया। हार्दिक का हालांकि मानना था कि उनकी टीम को 15 से 20 रन और बनाने थे।

इस जीत के साथ ही मुंबई की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है। जीत के बाद पंड्या ने कहा, 'हमने जिस तरह से बल्लेबाजी की और गेंदबाजी की उससे कहा जा सकता है कि सभी ने मिलकर प्रयास किये।' उनकी टीम के दोनो ही सलामी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और रियान रिकल्टन ने अर्धशतक लगाये जबकि सूर्यकुमार यादव ने भी 48 रनों की पारी खेली। वहीं पंड्या ने भी इतने ही रन बनाये। पंड्या ने कहा, 'बल्लेबाजी के दौरान हम एक-दूसरे से बात कर रहे थे कि शॉट्स खेलते रहें। शॉट्स ही अहम होते हैं। रोहित और रिकल्टन ने भी उसी तरह बल्लेबाजी की जैसी हम चाहते थे।' हार्दिक ने गेंदबाजी को लेकर कहा, ' सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने सरल क्रिकेट खेला जिसका लाभ हमें मिला है।

हमारा लक्ष्य हर मैच के अनुसार रणनीति बनाना है।'

राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की रेस से हुई बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल बाद मुंबई इंडियंस को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में बेहतरीन जीत हासिल हुई है। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के 50वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 100 रनों से हराकर बेहतरीन जीत दर्ज की। वहीं इस हार के बाद राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 2 विकेट खोकर 217 रन बनाए, जिसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम 16.1 ओवर में 117 रन ही बना सकी। स्बु 2012 के बाद जयपुर में पहली जीत दर्ज की है। मुंबई इंडियंस की टीम इस जीत के बाद पॉइंट्स टेबल में सात जीत के बाद टॉप पर पहुंच गई है। 218 रनों का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। रॉयल्स के बल्लेबाज पूरी तरह से फेल नजर आए।

टीम ने पहले ओवर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट गंवाया। दीपक चाहर ने वैभव को पवेलियन भेजा। दूसरे ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने यशस्वी जायसवाल (13) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। नितीश राणा 11 गेंद में 9 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान रियान पराग 8 गेंद में 16 और शिमरन हेटमायर बिना खाता खोले ही आउट हुए। शुभम दुबे 9 गेंद में 15 रन बनाकर आउट हुए। ध्रुव जुरेल 11 गेंद में 11 रन ही बना पाए। महीश तीक्षणा 9 गेंद में दो रन बना सके। जोफ्रा आर्चर ने 27 गेंद में 20 रन बनाए, वह राजस्थान के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनए। मुंबई की ओर से ट्रेंट बोल्ट- कर्ण शर्मा ने 3-3 विकेट और जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट झटके। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की शुरुआत दमदार हुई। पावरप्ले में टीम ने बिना विकेट गंवाए 58 रन बनाए। रिकल्टन ने 29 गेंद में अर्धशतक ठोका। तो रोहित शर्मा ने 31 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की। रिकल्टन 38 गेंद में 61 रन बनाकर आउट हुए। रोहित और रिलक्लटन के बीच पहले विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी हुई। रोहित शर्मा ने 36 गेंदों में 53 रन का योगदान दिया।

पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम पर भारत का कड़ा एक्शन, इंस्टाग्राम अकाउंट हुआ ब्लॉक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट पहलगाम आतंकी हमले के बाद एक कानूनी अनुरोध के कारण भारत में ब्लॉक कर दिया गया है।

भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का ये संदेश मिल रहा है। भारत में ये अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद ये फैसला लिया गया।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। सरकार ने उन पाकिस्तानी सोशल मीडिया अकाउंट को बंद कर दिया है जिनके भारत में बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं।

इस हफ्ते की शुरुआत में कई पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों को भी भारत, उसकी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री, झूठे और भ्रामक कथन और गलत सूचना प्रसारित करने के लिए भारत में प्रतिबंधित कर दिया गया था। पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर, बासित अली और शाहिद अफरीदी के यूट्यूब अकाउंट भारत में बंद कर दिए गए हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट हालांकि उपलब्ध हैं। पाकिस्तानी अभिनेता अली जाफर, माहिरा खान के इंस्टाग्राम अकाउंट भी भारत में ब्लॉक कर दिए गए हैं।

शिखर धवन के साथ सोफी शाइन ने कंफर्म किया रिश्ता!

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट मैदान पर लंबे लंबे शॉट खेलने वाले शिखर धवन इन दिनों क्रिकेट नहीं बल्कि अपने नए रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। आयशा मुखर्जी से तलाक के बाद शिखर धवन ने निजी जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया है। अबुधाबी में रहने वाली आयरिश प्रोफेशनल सोफी शाइन के साथ उनके कथित संबंधों को लेकर चर्चा हो रही है।

सोफी शाइन ने गुरुवार 1 मई को इंस्टाग्राम पर शिखर धवन के साथ तस्वीर शेयर की। उन्होंने तस्वीर को शिखर धवन के इंस्टाग्राम के साथ कोलैब भी किया। सोफी ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा कि, माई. इसके बाद अटकलों ने जोर पकड़ लिया।

बता दें कि, सोफी शाइन आयरलैंड की रहने वाली हैं। वह एक प्रोडक्ट कंसल्टेंट के तौर पर कार्यरत हैं। उन्होंने आयरलैंड में ही अपनी पढ़ाई पूरी की है। फिलहाल वह नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन में उपाध्यक्ष के रूप में काम करती हैं।

रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट में हासिल की नई उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट में एक नई उपलब्धि अपने नाम कर ली है। रोहित शर्मा दुनिया के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने एक टी20 टीम के लिए 6000 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं।

रोहित शर्मा से ज्यादा रन एक टीम के लिए सिर्फ विराट कोहली ने बनाए हैं। कोहली ने आरसीबी के लिए 8000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वहीं रोहित ने मुंबई के लिए ये कमाल किया है।

एक टीम के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज हैं, लेकिन रोहित शर्मा दुनिया के दूसरे ऐसे क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने एक टीम के लिए टी20 क्रिकेट में 6000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। रोहित शर्मा ने मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है। रन मशीन विराट कोहली 8871 रनों के साथ टॉप पर हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए आईपीएल और चैंपियंस लीग टी20 में इतने रन बनाए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर मोहम्मद रिजवान का शर्मनाक बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान का रिएक्शन सामने आया है। रिजवान ने कहा कि उन्हें किसी हमले की जानकारी ही नहीं है। साथ ही उन्होंने विराट कोहली को अपने क्रिकेट फैमिली का हिस्सा भी बता दिया। दरअसल, पीएसएल में करारी हार के बाद जब पत्रकार ने पहलगाम हमले पर पूछा तो जिस पर रिजवान की ये बात काफी हैरान कर गई कि उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच चल रही गर्मागर्मी की जानकारी ही नहीं है।

रिजवान से एक पत्रकार ने पहलगाम पर हमले पर बड़ा सवाल किया। सवाल था कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो टेंशन बनी हुई है और भारत के खिलाड़ी भी मैदान में आ चुके हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान के साथ किसी भी जगह मैच नहीं होने चाहिए। आप बतौर कप्तान बतौर खिलाड़ी क्या समझते हैं कि खेलों में सियासत होनी चाहिए? इस साल पर रिजवान ने जवाब दिया, मुझे इस टाइम कुछ भी नहीं पता कि क्या हो रहा है। मुझे मोबाइल का टाइम नहीं मिलता है। मुझे सोशल मीडिया का टाइम ही नहीं मिलता है कि ये सब देखूं।

दूसरी बात ये है कि क्रिकेट में सियासत बिल्कुल नहीं होनी चाहिए। हमारी जो क्रिकेट फैमली है, जिसमें विराट कोहली है, स्टीव स्मिथ है, जितने भी खिलाड़ी हैं हम जब आपस में मिलते हैं तो वो सबके सामने होता है। किस प्यार मोहब्बत से मिलते हैं हम सब। हम एक दूसरे से काफी कुछ सीखते हैं प्यार से रहते हैं। हमें और चीजों से कोई मतलब नहीं होता। हालांकि, जहां रिजवान कह रहे हैं कि, उन्हें भारत-पाकिस्तान के बीच चल रही सरगर्मी की कोई जानकारी नहीं है वहीं दूसरी ओर उनके मुल्क के दूसरे खिलाड़ी भारत के खिलाफ आग उगल रहे हैं।

सूर्यकुमार यादव ने खोला 5 साल पुराना राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया के सीमित दौरे के लिए उनकी अनदेखी करने की घटना ने उन्हें आईपीएल में अपनी सबसे यादगार पारियों में से एक खेलने के लिए प्रेरित किया। सूर्यकुमार यादव ने इसके बाद अबु धाबी में आरसीबी के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 43 गेंद में नाबाद 79 रन बनाकर मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से जीत दिलाई, जो उनकी आईपीएल की सबसे यादगार पारियों में से एक थी। हालांकि, ये आईपीएल 2020 का लीग मैच था। मुकाबले में तत्कालीन आरसीबी और भारत के कप्तान विराट कोहली और उनके बीच मैदान पर कुछ तनावपूर्ण क्षण भी हुए थे। कोहली ने ज्यादा कुछ नहीं कहा था, बस उन्होंने गेंद उठाई और स्ट्राइकर के छोर पर चले गए। जहां सूर्यकुमार बल्लेबाजी कर रहे थे। मुंबई के बल्लेबाज ने जियो हॉटस्टार पर सूर्यकुमार यादव एक्सपीरियंस शो में कहा कि, ये एक भावनात्मक पारी थी, क्योंकि कुछ ही दिन पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम की घोषणा की गई थी। अब टीम इंडिया के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि, उन्हें ऑस्ट्रेलिया जाने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी अनदेखी हुई। उन्होंने कहा कि, मैं पिछले कुछ सालों से इसदौरे के लिए तैयारी कर रहा था। मेरा घरेलू सत्र और आईपीएल अच्छा चल रहा था। मैंने इस सत्र के लिए खुद को अच्छी तरह से तैयार किया था। यहां तक कि कोविड ब्रेक केदौरान अपने शरीर और मानसिक स्वास्थ्य पर काम करने के लिए समय निकाला। मुझे टी20 टीम में शामिल होने की उम्मीद थी।

इस कड़ी में सूर्या ने आगे कहा कि, मेरे आस पास के सभी लोग सोच रहे थे कि मैं ऑस्ट्रेलिया जाऊंगा, जिनमें अन्य देशों के साथी खिलाड़ी भी शामिल थे। मैं मानसिक रूप से पहले से ही उस फ्लाइट के लिए तैयार था लेकिन जब मेरा चयन नहीं हुआ तो मुझे बहुत बड़ा झटका लगा। मैं समझ नहीं पाया कि क्या गलत हुआ। अगले दो दिन तक मैं सोचता रहा मैंने किसी से बात नहीं की। फिर मैंने ब्रेक लिया। यहां तक कि अभ्यास तक नहीं किया। मैंने खुद को रिलैक्स करने का फैसला किया। मैदान पर महेला जयवर्धने और जहीर खान इसे महसूस कर सकते थे।

तराई क्षेत्र में नगर सैनिक को मिली दो-दो थानों की कमान

सोहागी पहाड़ से चाकघाट तक के हाइवे में नहीं पकड़ी जाएगी सैनिक साहब को एंट्री वसूली दी हुई वाहन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले की अंतिम सीमा और पहाड़ों से घिरे निचले इलाके यानी यूपी और एमपी की बॉर्डर लाइन चाकघाट थाना क्षेत्र इन दिनों मालवाहक वाहनों से अवैध एंट्री वसूली के लिए विख्यात होता जा रहा है जहां ससुराल में जमकर अपनी नौकरी की सेवाएं देने वाले साहब से लेकर समूचे तराई क्षेत्र में हैवी वाहनों की आवक जावक को देखने वाले नगरसेना के सिपाही तिवारी साहब का जलवा कायम है जो तमाम मालवाहक वाहनों को ओवरलोड में जिला पार कराने का जिम्मा लेते हैं मतलब उन्हें सोहागी पहाड़ के पास से ही चाकघाट यानी मध्य प्रदेश की अंतिम सीमा तक सुरक्षित पार करा दिया जाए इस बीच प्रशासन का कोई भी जिम्मेदार

अधिकारी उनके वाहन को टच न कर सके जिसकी खातिर नगर सेना में तैनात सिपाही साहब के साथ ही अपनी ही ससुराल में रहकर पुलिस की ड्यूटी निभा रहे चाकघाट थाने के स्टाफ महोदय हैवी वाहनों से एंट्री के नाम पर मोटी रकम वसूलने का काम कर रहे हैं।

बताया जा रहा है कि ओवरलोड होकर रीवा शहर से जाने वाली मालवाहक वाहनों को एमपी और यूपी की सीमा पार कराने के यह साहब लोग वाहनों से फिक्स की हुई एंट्री की राशि को वसूलते हैं उससे ही संबंधित थानों के आकाओं तक मोटी राशि को पहुंचाया जाता है जिससे कोई भी थानेदार आगे इन वाहनों को न रोके वहीं यूपी की तरफ से एमपी यानी रीवा में प्रवेश करने वाली हैवी वाहनों से भी इनका मैनेजमेंट रहता है जिनसे यह एंट्री की राशि लेकर सोहागी और चाकघाट इलाके में वाहनों को घूमने की परमिशन देते हैं।

दरअसल रीवा जिले में वाहनों की ओवरलोडिंग सरकारी विभागों के लिए मलाई खाने का काम करती है जिस वाहन में ओवरलोड सामग्री पाई जाती है फिर चाहे वह कोई भी सामग्री हो जैसे कि बालू, गिट्टी, मुरूम, या रोजमर्रा के उपयोग के लिए रीवा में लाई जाने वस्तुएं इस तरह के तमाम मालवाहक ओवरलोड वाहनों की एक राशि फिक्स की गई है जो वाहन चालक ठेका लिए इन साहब लोगों तक पहुंचाते हैं फिर वह राशि विभागीय अधिकारियों तक पहुंचती है। ऐसे में वाहन मालिक को भी अपनी वाहन में क्षमता से अधिक सामग्री लोड करने की परमिशन मिल जाती है और उससे सरकार को क्षति पहुंचाने के साथ ही हादसों का डर भी बना रहता है।

जानकारी के मुताबिक जिन व्यक्तियों के कंधों पर पुलिस की टीम ने हैवी वाहनों को रोककर उनसे पैसे की सेटिंग बनाने का जिम्मा सौंपा है उनके काम काज में पुलिस की कोई रोक टोक नहीं होती है बल्कि वाहनों के रुकने पर सेटिंग सटीक बैठाने के लिए एक या दो सरकारी जवानों को भेज भी दिया जाता है जिससे डर कर वाहन चालक उनकी जेब को भर दे।

सतना में आरोपी ने दौड़ाकर फरसे से किया युवक पर वार, मौत

सिंहपुर रोड पर मिली खून से लथपथ लाश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सिंहपुर रोड स्थित निया मैरिज गार्डन के पीछे खाली प्लॉट में एक युवक का शव मिला। मृतक की पहचान सुरदहा निवासी गोपाल श्रीवास्तव (32) के रूप में हुई। मृतक नागौद के हरदुटोला में किराए पर रहता था और सड़वा रेलवे स्टेशन में ठेके पर सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत था। घटना शुक्रवार सुबह 8 बजे की है।

आरोपी की पहचान सुरदहा गांव निवासी अशोक पयासी के रूप में हुई है। गोपाल अपने एक दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से सड़वा स्टेशन जा रहा था। घटनास्थल के पास अशोक पहले से ही फरसा लेकर उसका इंतजार कर रहा था। जैसे ही दोनों वहां पहुंचे, आरोपी ने अचानक हमला कर दिया।

मदद के लिए लौटा दोस्त, तब तक हो चुकी थी मौत: हमले के बाद दोनों अलग-अलग दिशाओं में भागे। गोपाल का दोस्त स्टेशन की तरफ भाग निकला, जबकि गोपाल दूसरी तरफ भागते हुए एक गड्ढे में गिर गया। इसी दौरान आरोपी ने उस पर फरसे से कई वार किए और फरार हो गया। जब गोपाल का दोस्त मदद लेकर वापस पहुंचा, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

एक ही गांव के थे आरोपी और मृतक: जांच में सामने आया है कि आरोपी अशोक और मृतक दोनों एक ही गांव के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार एक साल पहले गोपाल, अशोक की पत्नी को लेकर भाग गया था। इसके बाद से दोनों नागौद में किराए से रह रहे थे। आरोपी और महिला के 3 बच्चे भी हैं।

पत्नी को लेकर भागने से नाराज था अशोक: इस मामले की शिकायत आरोपी अशोक पयासी ने जसो थाना पुलिस से भी की थी। लेकिन पुलिस ने कुछ एक्शन नहीं लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पत्नी के घर छोड़ने के बाद से आरोपी पूरे गांव में गोपाल की हत्या करूंगा कहता रहता था।

उधर, सुरदहा के ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी अशोक पयासी पत्नी के भागने के बाद से मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। दाढ़ी बढ़ा कर बाबा की तरह फरसा साथ में ले कर ही चलता था।

खून से सना हथियार बरामद: स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से खून से सना फरसा बरामद किया। शव पर धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। आरोपी की तलाश में पुलिस की 2 टीमें जुटी हुई हैं।एक टीम नागौद टीआई अशोक पांडेय के नेतृत्व में दूसरी टीम जसो थाने की हर संभव ठिकानों पर दबिश दे रही है। प्रशिक्षु आईपीएस मनीष भारद्वाज दोनों टीमों के संपर्क में हैं। फिलहाल आरोपी फरार है।

नीट परीक्षा कैमरों की निगरानी में होगी, 13 सेंटर्स बने, हर केंद्र पर 500 परीक्षार्थी रहेंगे

एडिशनल एसपी होंगे नोडल ऑफिसर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नेशनल टेस्ट एजेंसी ने नीट एग्जाम की तिथि घोषित कर दी। रीवा जिले में नीट की परीक्षा के लिए प्रशासन ने 13 परीक्षा केंद्र बनाए हैं, जिसमें प्रत्येक केंद्र में लगभग 500 परीक्षार्थी नीट का एग्जाम देंगे। इसके लिए प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ बैठक व्यवस्था पेयजल व्यवस्था की तैयारियां करवाई जा रही हैं। इसके लिए पुलिस विभाग से नोडल अधिकारी एडिशनल एसपी विवेक लाल को बनाया गया है।

एसपी विवेक लाल ने बताया कि परीक्षार्थियों को नियत समय से 10 मिनट पहले परीक्षा केंद्र में पहुंचना अनिवार्य है। इस दौरान परीक्षार्थी परीक्षा केंद्रों में सिर्फ वही वस्तुएं ले जा सकेंगे, जिसकी अनुमति नेशनल टेस्ट एजेंसी द्वारा प्रदान की गई है। इसके अलावा अन्य अवांछनीय वस्तुओं के प्रवेश पर रोक रहेगी। यदि कोई भी परीक्षार्थी एनटीए की ओर से दिए दिशा निर्देशों का पालन नहीं करता तो उसके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही तमाम परीक्षा केंद्रों में कैमरे से निगरानी की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही तमाम परीक्षा केंद्रों में पर्याप्त सुरक्षा बल भी तैनात किया गया है। जो परीक्षा केंद्रों में होने वाली हर गतिविधि पर अपनी पैनी निगाह रखेगा। रीवा में नीट यूजी परीक्षा 4 मई को आयोजित की जा रही है। परीक्षा सुबह 11 बजे से दोपहर 1. 30 बजे तक होगी। जिले में 13 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए हैं। परीक्षार्थियों के लिए एक जिला स्तरीय कंट्रोल रूम भी कलेक्टर कार्यालय में स्थापित किया गया है, जिसका फोन नंबर 07662-255143 है।

नीट यूजी के परीक्षार्थी समय पर परीक्षा केन्द्र पहुंचकर कराएं पंजीयन - कलेक्टर

रीवा में 13 परीक्षा केन्द्रों में 4 मई को नीट यूजी की परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा में बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने इस संबंध में कहा है कि परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है। परीक्षा केन्द्र में पहुंचने के लिए सुबह 11 बजे से 1.30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। सभी परीक्षार्थी एनटीए वेबसाइट से अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड करके उसका प्रिंट साथ रखें। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के लिए दो पासपोर्ट आकार तथा एक पोस्टकार्ड साइज की फोटो एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र की मूल प्रति साथ रखना आवश्यक होगा। सभी परीक्षार्थी रिपोर्टिंग टाइम पर परीक्षा केन्द्र पहुंचकर अपना पंजीयन करा लें। परीक्षा शांतिपूर्वक आयोजित करने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। सभी परीक्षा केन्द्रों में सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहेगा। परीक्षार्थियों की अधिक संख्या तथा बड़ी संख्या में वाहनों के शहर में प्रवेश को ध्यान में रखकर 4 मई को शहर के कई प्रमुख मार्गों में ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा। परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक घंटे पहले सभी परीक्षार्थी निर्धारित परीक्षा केन्द्रों में पहुंच जाएं जिससे समय पर पंजीयन किया जा सके। निर्धारित समय के बाद परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा है कि नीट यूजी परीक्षा के संबंध में कहा है कि सोशल मीडिया पर कई तथ्यहीन सूचनाएं मिल सकती हैं। ऐसे भ्रामक मैसेज से परीक्षार्थी सावधान रहें। किसी भी तरह का संदिग्ध मैसेज मिलने पर पुलिस कंट्रोल रूम को उसकी सूचना दें।

कलेक्ट्रेट ने खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की

खाद्य सुरक्षा योजना से स्थाई पलायन तथा विषमता परिवार के नाम काटने व 10 मई शत-प्रतिशत ई केवाईसी कराने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा योजना के हितग्राहियों की ई केवाईसी केवल 78 प्रतिशत होने पर नाराजगी व्यक्त की कलेक्टर ने कहा कि खाद्य सुरक्षा योजना के सभी हितग्राहियों की ई केवाईसी 10 मई तक अनिवार्य रूप से कराएं। सभी खाद्य निरीक्षक शेष बचे परिवार के सदस्यों की सूची उचित मूल्य दुकान के सेल्समैन और ग्राम पंचायत तथा नगरीय निकाय के वार्ड प्रभारी को उपलब्ध कराएं। जिला आपूर्ति अधिकारी सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को शेष बचे परिवारों की सूची उपलब्ध कराएं। अभियान चलाकर शेष सदस्यों की ई केवाईसी अपडेट कराएं। इसके साथ-साथ विषमता परिवार, मृतक हितग्राही तथा स्थाई रूप से पलायन करने वाले व्यक्तियों के नाम पोर्टल से पृथक करें। जो व्यक्ति ई केवाईसी कराने नहीं आ रहे हैं। उनके भी नाम पोर्टल से पृथक करें। यदि कोई हितग्राही वर्तमान में निर्धारित निवास स्थान से बाहर है तो उसे ऐप के माध्यम से ई केवाईसी अपडेट करने की सूचना दें। यदि 10 मई तक ई केवाईसी अपडेट नहीं होती है तो उसका नाम भी पोर्टल से पृथक करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि विकासखण्ड गंगेव, जवा और रायपुर कर्चुलियान में ई केवाईसी की प्रगति संतोषजनक नहीं है। नगर निगम रीवा की प्रगति भी अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। जिले में प्रतिदिन कम से कम 17 हजार हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट होने पर ही तय तिथि तक शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति होगी। विकासखण्ड गंगेव में 36977, जवा में 42835, रायपुर कर्चुलियान में 43879, रीवा में 44113, सिरमौर में 44453 तथा त्योंथर विकासखण्ड में 33142 हितग्राही ई केवाईसी के लिए शेष हैं। इनमें से मृतक तथा पलायन करने वालों के नाम पृथक करके शेष की ई केवाईसी 10 मई तक अनिवार्य रूप से कराएं। रीवा नगर निगम में शेष बचे 16679 हितग्राहियों की ई केवाईसी अपडेट कराने के लिए सभी वार्डों में शिविर लगाएं। सभी उचित मूल्य दुकानों में 3 और 4 मई को ई केवाईसी अपडेशन का कार्य अनिवार्य रूप से कराकर जिला आपूर्ति अधिकारी 5 मई को प्रगति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में जिला आपूर्ति अधिकारी कमलेश तांडेकर ने ई केवाईसी अपडेशन की विकासखण्डवार जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी, महाप्रबंधक सहकारी बैंक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, सहायक आपूर्ति अधिकारी सुभाष द्विवेदी, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम, जिला प्रबंधक आजीविका मिशन तथा सभी खाद्य निरीक्षक उपस्थित रहे।

सूचना के अधिकार के आवेदन का एक माह में करें निराकरण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सभी कार्यालयों में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान लागू हैं। निर्धारित बिन्दुओं पर किसी आवेदक द्वारा सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत निर्धारित प्रपत्र में आवेदन करने पर एक माह की समय सीमा में लोक सूचना अधिकारी को वांछित जानकारी देना अनिवार्य है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सभी अधिकारियों को सूचना का अधिकार के आवेदन का एक माह की तय समय सीमा में अनिवार्य रूप से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि आवेदन को प्राप्त कर आवेदक को निर्धारित प्रपत्र में पावती दें। सभी कार्यालयों में लोक सूचना अधिकारी तैनात हैं। लोक सूचना अधिकारी एक माह की समय सीमा में आवेदक को मांगी गई जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि वांछित जानकारी उनके कार्यालय में उपलब्ध नहीं है तो आवेदन पत्र को पाँच दिन की समय सीमा में संबंधित कार्यालय को प्रेषित करें। सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दर्ज आवेदनों तथा अपील में समय पर कार्यवाही न करना गंभीर लापरवाही है। आवेदनों में तय समय सीमा में कार्यवाही न करने पर मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयोग द्वारा अधिनियम की धारा 10 (1) के तहत शास्ति अधिरोपित की जाती है। ऐसी स्थिति स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी कार्यालय प्रमुख सूचना के अधिकार अधिनियम का कठोरता से पालन सुनिश्चित करें।

गौशालाओं के गौवंश का अनुदान किया गया दुगना, अब प्रति गौवंश मिलेंगे 40 रुपए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। निराश्रित और बीमार गौवंश को आश्रय देने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में गौशालाओं का संचालन किया जा रहा है। इनका निर्माण ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किया गया। पशु चिकत्सा सेवायें विभाग तथा ग्राम पंचायत मिलकर गौशालाओं का संचालन कर रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप गौशालाओं के गौवंश अनुदान को दुगना कर दिया गया है। मध्यप्रदेश शासन पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार गौशालाओं के गौवंश का अनुदान 20 रुपए प्रति गौवंश प्रतिदिन को दुगना कर दिया गया है। अब प्रत्येक गौवंश को प्रतिदिन 40 रुपए के मान से अनुदान गौशाला संचालन करने वालों को मिलेगा। इससे प्रत्येक गौवंश के लिए पर्याप्त मात्रा में पोषणयुक्त आहार, चारे तथा आवश्यकता होने पर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। अनुदान वृद्धि का आदेश एक अप्रैल 2025 से लागू हो गया है। मध्यप्रदेश गौ संवर्धन बोर्ड के तहत पंजीकृत सभी शासकीय और निजी गौशालाओं के गौवंश को अनुदान की बढ़ी हुई राशि दी जाएगी।

सतना में अज्ञात वाहन ने बुजुर्ग को कुचला, इलाज के दौरान मौत

राहगीरों ने बिरसिंहपुर अस्पताल पहुंचाया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के सभापुर थाना क्षेत्र में एक हिट एंड रन की घटना सामने आई है। मचखड़ा गांव में शुक्रवार शाम को एक अज्ञात वाहन ने 65 वर्षीय राम जियावन को टक्कर मार दी। वह सड़क किनारे जा रहे थे।

टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। राम जियावन सड़क किनारे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने उन्हें तुरंत बिरसिंहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

सूचना मिलते ही सभापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम कर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वाहन की तलाश जारी है।

मऊगंज में झोपड़ी में लगी आग, दो बछड़े जिंदा जले, एक को बचाया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लटियार में शुक्रवार दोपहर 1 बजे एक झोपड़ी में आग लग गई। घटना के समय घर के सभी सदस्य काम पर गए हुए थे। घटना में ग्रामीण अवधेश साकेत के मकान में गाय के तीन बछड़े बंधे थे। स्थानीय लोगों ने एक बछड़े को बचा लिया। लेकिन दो बछड़ों की आग से झुलसकर मौत हो गई।

ग्रामीणों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक मकान में रखा सारा सामान जल चुका था।

अवधेश साकेत के अनुसार इस हादसे में करीब एक लाख रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

इस घटना से अवधेश का परिवार बेघर हो गया है। उनके पास अब रहने के लिए मकान और खाने के लिए अनाज नहीं बचा है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से विभिन्न जिलों के आवेदकों की सुनी समस्याएं

कलेक्टर को जल गंगा संवर्धन अभियान में नवाचार करने के दिये निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के माध्यम से आवेदकों की समस्याएं सुनी। मुख्यमंत्री ने नीमच, शहडोल, मुरैना, पांढुर्ना, सतना, रायसेन, उमरिया, नर्मदापुरम तथा धार सहित विभिन्न जिलों के आवेदकों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी अधिकारी आमजनता द्वारा वांछित सेवायें तय समय सीमा में उपलब्ध कराएं। जल गंगा संवर्धन अभियान से पूरे प्रदेश में जल संरक्षण के अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों और आमजनता की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करें। सभी कलेक्टर जल गंगा संवर्धन अभियान में नवाचार करके एक सप्ताह में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। खेत तालाब, अमृत सरोवर निर्माण तथा हैण्डपंप एवं कुंओं में रिचार्ज पिट बनाने के साथ-साथ प्राचीन जल स्त्रोतों की साफ-सफाई और सुधार का कार्य भी अभियान में करें। नदियों के उ–म स्थलों की भी साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण कराएं। नर्मदा के परिक्रमापथ में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न सुविधाओं की व्यवस्था करें। नरवाई जलाने की घटनायें लगातार हो रही हैं। इसे रोकने के लिए कठोर उपाय करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में कृषि और उस पर आधारित उद्योगों से संबंधित मेलों का आयोजन कराएं। पूरे प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए बड़े पैमाने पर निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर उद्योगों की स्थापना के लिए जमीन बैंक बनाकर आवश्यक भूमि आवंटित कराएं। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र के माध्यम से नोडल अधिकारी निवेशकों की कठिनाईयों को दूर करें। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए प्रभावी उपाय करें। इसके लिए सड़कों में सुधार, दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर में उपचार सहायता तथा ब्लैक स्पॉट की नियमित समीक्षा करें। सड़क सुरक्षा समिति की नियमित बैठक आयोजित कर उसमें प्राप्त सुझावों को लागू करें। प्रधानमंत्री एयर एंबुलेंस सेवा का सभी जिले आवश्यक होने पर उपयोग करें। अब तक रीवा जिले से 19 और जबलपुर जिले से 11 रोगियों को ही इस सेवा से लाभान्वित किया गया है। हेलीकाप्टर के माध्यम से भी गंभीर रोगियों को ले जाने की सुविधा योजना में उपलब्ध है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड के बिन्दुओं, सुशासन के उपाय तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के संबंध में भी निर्देश दिए।

कमिश्नर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से वीडियो कान्फ्रेंसिंग में कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, अपर कमिश्नर नीतू माथुर तथा सभी संभागीय अधिकारी एवं कलेक्टर कार्यालय एनआईसी केन्द्र से कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर तथा अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मऊगंज में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए जमीन आवंटन आदेश जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नवगठित मऊगंज जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जमीन आवंटन के आदेश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए तहसील मऊगंज के ग्राम घुरेहटा की आराजी नम्बर 3457/1/1 कुल क्षेत्रफल 7.892 हेक्टेयर में से 1.620 हेक्टेयर भूमि पुलिस विभाग को आवंटित की गई है। जिला नजूल निर्वर्तन समिति की बैठक में जमीन आवंटन के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान करने के बाद जमीन आवंटन के आदेश जारी किए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।